राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष 09 । अंक 46 । पृष्ठ 1
मूल्य : दो रूपये
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार, 04 फरवरी 2022
सिद्धार्थनगर संस्करण
RNI No:. UPHIN/2012/49458

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 8795951917 | @budha_kasandes | budhkasandeshup@gmail.com | www.budhkasandesh.com

लखनऊ सूचीबद्ध कोड- SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी. कोड-133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उ0प्र0 सरकार एवं भारत सरकार (डी.ए.वी.पी.) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

प्रधानमंत्री मोदी का 5 फरवरी को हैदराबाद दौरा ,स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी राष्ट्र को करेंगे समर्पित

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को हैदराबाद जाएंगे और राज्य के पाटनचेरु में अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान के अर्ध–शुष्क उष्णकटिबंधीय (आईसीआर आईएसएटी) परिसर का दौरा कर संस्थान की 50 वीं वर्षगांठ समारोह का शुभारम्भ करेंगे। वह216 फुट ऊंची स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी प्रतिमा भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। ज्ञात हो कि 216 फीट ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी' प्रतिमा 11वीं सदी के भक्ति शाखा के संत रामानुजाचार्य की याद में बनाई गई है। यह प्रतिमा पंचधातु से बनी है जिसमें सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ता का एक संयोजन है और यह दुनिया में बैठी अवस्था में सबसे ऊंची धातु की प्रतिमाओं में से एक है। पीएमओ को मुताबिक यह 54–फीट ऊंचे आधार भवन पर स्थापित है, जिसका नाम भद्र वेदी है। इसमें वैदिक डिजिटल पुस्तकालय और अनुसंधान केंद्र, प्राचीन भारतीय ग्रंथ, एक थिएटर, एक शैक्षिक दीर्घा हैं,

जो संत रामानुजाचार्य के कई कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हैं। इस प्रतिमा की परिकल्पना श्री रामानुजाचार्य आश्रम के श्री चिन्ना जीयार स्वामी ने की है। पीएमओ ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान संत रामानुजाचार्य की जीवन यात्रा और शिक्षा पर थ्रीडी प्रेजेंटेशन मैपिंग का भी प्रदर्शन किया जाएगा। प्रधानमंत्री 108 दिव्य देशम (सजावटी रूप से नक्काशीदार मंदिर) के समान मनोरंजनों का भी दौरा करेंगे जो ''स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी'' के चारों ओर बने हुए हैं। रामानुजाचार्य ने हर इंसान की भावना के साथ लोगों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किया। ''स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी'' का उद्घाटन, रामानुजाचार्य की वर्तमान में जारी 1000 वीं जयंती समारोह यानी 12 दिवसीय श्री रामानुज सहस्रब्दी समारोह का एक भाग है। इससे पहले, प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के दौरान आईसीआरआईएसएटी की 50वीं वर्षगांठ समारोह का शुभारम्भ भी करेंगे। वह पौधा संरक्षण पर आईसीआरआईएसएटी के जलवायु परिवर्तन अनुसंधान केंद्र और आईसीआरआईएसएटी की रैपिड जनरेशन एडवांसमेंट केंद्र का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री आईसीआरआईएसएटी के विशेष रूप से डिजाइन किए गए प्रतीक चिन्ह का भी अनावरण करेंगे और इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। आईसी आरआईएसएटी एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो एशिया और उप–सहारा अफ्रीका में विकास के लिए कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान करता है।

बिहार में बालिका गृह कांड पर तेज हुई राजनीति, तेजस्वी बोले– तोंद वाले, मूंछ वाले आरोपी क्यों नहीं पकड़े गए

एजेंसी

पटना । बिहार में एक बार फिर से बालिका गृह कांड

सुर्खियों में है। राजधानी पटना के गायघाट स्थित महिला सुधार गृह में महिलाओं और युवतियों के साथ दुर्व्यवहार और शोषण का मामला सामने आया है जिसके बाद विपक्ष सत्ता पक्ष पर हमलावर हो गया है। पटना हाईकोर्ट ने भी इस पर संज्ञान लेते हुए सरकार को फटकार लगाई है। इन सबके बीच आज पूर्व उपमुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी नीतीश सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमला किया है। तेजस्वी यादव ने सवाल किया कि आखिर अब तक मामले में शामिल लोगों पर कार्यवाही क्यों नहीं हुई है? उन्हें पकड़ा क्यों नहीं गया है? इसके साथ ही तेजस्वी ने दावा किया कि इस तरह की घटना में शामिल लोगों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी ने कहा कि बालिका गृह कांड को लेकर हम शुरू से ही लड़ाई लड़ रहे हैं। अब फिर इस तरह की घटना 2 दिन पहले हुई, ये काफी निंदनीय है। बालिका गृह कांड के मूंछ वाले, तोंद वाले आरोपी अभी तक नहीं पकड़े गए, इन लोगों को नीतीश कुमार का संरक्षण प्राप्त है। तेजस्वी यादव ने सवाल किया कि महिला सुरक्षा को लेकर हम लोग लगातार सरकार से सवाल कर रहे हैं। इससे पहले में मुजफ्फरपुर में भी घटना हुई थी। हालांकि अब तक वहां के भी मुख्य आरोपियों को नहीं पकड़ा गया है।

बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर भी तेजस्वी यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि जब उनकी मां राबड़ी देवी राज्य की मुख्यमंत्री थीं, तब से राजद बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहा है। उन्होंने बिहार के एनडीए सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह लोग किस से विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। सवाल तो यही है कि आखिर विशेष राज्य का दर्जा कौन देगा। एक ओर यह लोग सरकार में शामिल हैं और खुद ही विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुद सरकार में भागीदार है तो फिर किससे विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं।

मतदाता संवाद कार्यक्रम में सुरक्षा का माहौल भी रामराज्यः योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में गोरखपुर सदर से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अपनी कर्मस्थली पहुंचे। पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रहे योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र भी दाखिल करेंगे। गोरखपुर में छठें चरण में मतदान होगा और चार फरवरी से नामांकन होना है। सीएम योगी आदित्यनाथ पहले ही दिन नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। तीन दिवसीय दौरे पर गुरुवार शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्य्यमंत्री योगी आदित्य्यनाथ ने निपाल क्ल्बल में भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। विधानसभा चुनाव के लघ्दि कमर कसकर जुट जाने का आह्वान करते हुए उन्ह्होंने कहा कि गोरखपुर में 75 से 80 प्रतिशत तक मतदान करा सकते हैं। इसके लिए सुबह चार बजे से आपको लगना पड़ेगा। पहले और दूसरे चरण के चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा सुरक्षा है। लोग कहते हैं कि सुरक्षा का वातावरण ही रामराज्य है। लखनऊ में गुरुवार को सरकार के पांच वर्ष का ब्यौरा मीडिया को देने के बाद शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर पहुंचे और मतदाता संवाद कार्यक्रम में शामिल हो गए। मतदाता संवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आप लोगों को पता होगा कि 2017 के पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं। वहां महिलाएं घर के बाहर नहीं निकल सकतीं थीं। बेहद असुरक्षा का माहौल था। इसके बाद भाजपा की सरकार ने संत्ता संभाली को मामला उलट गया। क्या आप लोगों ने पांच वर्ष में दंगा नाम की कोई बात सुनी है क्या। क्या कहीं से खबर मिली कि कोई बेटी को जबरन उठाकर लेकर चला गया। अब तो वे कहीं पर भी बेझिझक रहतीं हैं। वे कहतीं हैं कि हमें तो भाजपा को वोट देना है। उनसे पूछते हैं कि भाजपा को वोट क्यों देना है? वे कहतीं हैं कि यही तो रामराज्य है। कहीं पर सुरक्षित वातावरण ही रामराज्य है हमें सुरक्षा मिल गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बेटियां सुरक्षित हो गई है। इससे ज्यादा हमें और क्या चाहिए। हम सुरक्षित है तो स्वयं कुछ भी करने का सामर्थ्य रखते हैं।उन्होंने कहा कि महिलाओं में सुरक्षा का विश्वास जगा है। महिला शक्ति हमारे साथ है। अब भाजपा को प्रचंड समर्थन प्राप्त होगा। उन्होंने गरीब तथा कमजोर तबका हमारे साथ है। गरीब की कोई जाति नहीं होती है। हमने खराब समय में उनका साथ दिया है। हमारी सरकार में जरुरतमंदों को काफी लाभ मिला था। इस दौरान सिर्फ

गोरखपुर में 32 हजार मकान बने हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा तथा बसपा की सरकारें थी तो 29 चीने मिलें बंद हुई थी। यहां पर गन्ना किसान बदहाल था। बीते पांच वर्ष में कोई भी चीनी मिल बंद नहीं हुई। गन्ना किसानों को एक लाख 57 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया। उनका भुगतान अभी भी जारी है। हमारे प्रदेश का अन्नदाता किसान पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण आत्महत्या करने को मजबूर था। 2017 में जब हमारी सरकार आई तो हमने 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ का कर्ज माफ करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश की समृद्धि का माध्यम यहां का सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम हुआ करता था। सरकारी उपेक्षा, प्रताडना और भ्रष्टाचार के चलते एमएसएमई सेक्टर 2017 तक आते आते खत्म होने की कगार पर आ गया था। हमने उसको मजबूती दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में पहली बार चुनाव जीता तो बरनाला जी ने कहा कि आप गोरखपुर से कैसे चुनाव जीते, वहां 70 में गया था एक सभा में बम चल गया। तबसे वहां नहीं गया। मैंने कहा कि अब वहां बम नहीं बम–बम चलता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आज व्यापारी खुश है। हमारी सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ। देश में उत्तर प्रदेश के कानून–व्यवस्था की चर्चा है। हमारी पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ता सभी जगह पर चुनाव आयोग की गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं। मुख्य्यमंत्री योगी आदित्य्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरा। सीएम ने कहा कि सपा के लोग अंधेरे में रहने के आदी हैं और उनका काम भी अंधेरे में ही होता है। इसलिए ध्य्यान रखना है कि ढीले पड़े तो वही लोग आ जाएंगे जो दंगा करते थे, बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरा थे। सीएम योगी ने कहा कि चुनाव आते ही कुछ लोगों में गर्मी चढ़ रही है, उन्हें नहीं पता है कि अब यहां बम नहीं बम–बम चलता है। इसी का नतीजा है कि पांच साल में यहां कोई दंगा नहीं हुआ। कोरोना के नियंत्रण में होने की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने बताया कि छह फरवरी के बाद हम स्कूल कालेज खोलने जा रहे हैं। अगले एक सप्ताह में कोरोना सक्रिय मरीजों की संख्या शून्य हो जाएगी।

नवजोत सिंह सिद्धू की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, रोड रेज मामले में पुनर्विचार याचिका पर 25 फरवरी को होगी सुनवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोड रेज के 32 साल पुराने मामले में क्रिकेट से राजनीति में आए नवजोत सिंह सिद्धू को सुनाई गई सजा के फैसले के लिए दायर पुनर्विचार याचिका पर 25 फरवरी को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति एस. के. कौल ने सिद्धू के वकील के अनुराध पर इस मामले की यह तारीख निर्धारित की। सिद्धू की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी. चिदंबरम ने पीठ से अनुरोध किया कि वह मामले को सुनवाई के लिए 23 फरवरी के बाद सूचीबद्ध करे। इस पर पीठ ने कहा कि वह मामले की सुनवाई 25 फरवरी को करेगी। सिद्धू फिलहाल कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष हैं और राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 फरवरी को होना है। उच्चतम न्यायालय ने 15 मई, 2018 को सिद्धू को गैर इरादतन हत्या का दोषी करार देते हुए तीन साल कैद की सजा सुनाने का पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय का फैसला निरस्त कर दिया था। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कांग्रेस नेता को वरिष्ठ नागरिक को चोट पहुंचाने का दोषी पाया था। न्यायालय ने सिद्धू को 65 वर्षीय बुजुर्ग को 'जानबूझ कर चोट पहुंचाने' का दोषी करार दिया था, लेकिन उन्हें जेल की सजा नहीं सुनाई और सिर्फ 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (जान बूझकर चोट पहुंचाने की सजा) के तहत दोषी को अधिकतम एक साल कैद, 1,000

रुपये का जुर्माना या दोनों, की सजा सुनाई जा सकती है।

दिल्ली में कम हुआ कोरोना एक हफ्ते में उपचाराधीन मरीजों में 60 फीसदी से अधिक की कमी दर्ज

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मामलों में पिछले एक हफ्ते में 60 फीसदी से अधिक की कमी दर्ज की गई है। वहीं डीडीएमए स्थिति में सुधार के मद्देनजर शुक्रवार को कोविड–19 प्रतिबंधों में और ढील देने पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है। पिछले कई दिनों से रोजाना मामलों की संख्या, संक्रमण दर और कई अन्य स्थितियों में सुधार देखा गया है, लेकिन पिछले कुछ हफ्ते से मृतकों की संख्या में खास कमी नहीं आई है।

आधिकारिक आंकड़े के अनुसार 26 जनवरी को 10.59 फीसदी संक्रमण दर के साथ रोजाना मामलों की संख्या 7498 और मृतकों की संख्या 29 दर्ज की गई। उस दिन उपचाराधीन मरीजों की संख्या 38,315 थी जबकि कुल मृतकों की संख्या 25,710 थी। आंकड़ों के अनुसार, दो फरवरी को 4.73 फीसदी संक्रमण दर के साथ रोजाना मामलों की संख्या 3028 रह गई और मृतकों की संख्या 27 रही। उस दिन उपचाराधीन मरीजों की संख्या 14,870 रह गई ।

अपर्णा यादव पहुंची बाराबंकी, कहा-'नेताजी' ने दिया था मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद

संवाददाता

बाराबंकी। भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने गुरुवार को बाराबंकी सदर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से जनसंपर्क कर सरकार की उपलब्धियों के पत्रक बांटे। साथ ही जनसभाओं को संबोधित कर उपस्थित लोगों से दोबारा भाजपा की सरकार बनाने का आग्रह भी किया। अलग–अलग स्थानों पर हुई सभाओं में उनका संबोधन एक परिपक्व व सधे राजनीतिज्ञ सा रहा। मौखरी में उन्होंने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद दिया था और वह बने भी थे। इसी प्रकार आप लोग प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने भाजपा को संस्कारों की पार्टी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हम सबको भारतीय होने का गौरव दिलाया। कहा, कोरोना से देश को बचाने का काम प्रधानमंत्री ने किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी नहीं गए। सभी के घरों में चूल्हा जलता रहे इसके लिए राशन व रसोई गैस की भी व्यवस्था कराई। पूर्व चेयरमैन रंजीत बहादुर श्रीवास्तव ने सपा के मौजूदा विधायक पर तंज कसे। संचालन डा. अवधेश वर्मा ने

किया। संदीप गुप्ता, रचना श्रीवास्तव, रामेश्वरी त्रिवेदी, नीता अवस्थी, संजीव वर्मा, प्रदीप वर्मा मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने भिटौली में जनसंपर्क के दौरान सरकार की उपलब्धियों के पत्रक वितरित करते हुए जानकी देवी, किरन कुमारी, यशोदा रानी व गुड़िया आदि को महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए सरकार के प्रयासों और रामहेत यादव, दीपक सिंह, प्रताप सिंह, शिव नरायन, गुड्डू को किसान सम्मान निधि की याद दिलाई। अपर्णा का संबोधन समाप्त होने पर मौथरी में गांव राहुल यादव सहित आधा दर्जन युवकों ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगा दिए। पुलिस ने राहुल यादव को पकड़ लिया। इस दौरान पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया इससे भगदड़ भी मच गई। ऐसे में मौथरी के बाद खजूर गांव की जन सभा में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

'यादव हूं..शेरनी हूं.. सपाइयों से नहीं डरती'

देवा मौथरी में सपा कार्यकर्ताओं की ओर से अखिलेश यादव के समर्थन में की गई नारेबाजी से अपर्णा खजूरगांव की जनसभा में नाराज दिखीं।उन्होंने कहा कि यादव हूं..शेरनी हूं..सपा विधायक के भेजे हुड़दंगियों से जरा भी नहीं डरती हूं। कहा कि जंगल का राजा तो शेर होता है लेकिन शिकार शेरनी ही करती है।

इसलिए कोई मुझे कमजोर न समझे। यादव मतदाताओं को लुभाते हुए कहा कि राजपूतों की सेनाएं जब लड़ती थीं तब आगे यादव वीर ही रहते थे। इसलिए अपने स्वाभिमान को पहचान कर राष्ट्रवाद और विकास का साथ दें। ब्लाक प्रमुख धर्मेंद्र यादव ने स्वागत किया। करुणेश वर्मा ने संचालन किया। घनसुख भंडेरी,रोहित भारती, रोहित सिंह,करुणेश वर्मा,सर्वेश अवस्थी, रामलखन मिश्रा, अनूप यादव, भानु यादव, रीता यादव, अभय मिश्रा, देवेंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

नाम समाजवादी, सोच परिवारवादी और काम दंगावादी - सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के पूर्व के शासनकाल को सुरक्षा, विकास और जनकल्याण की योजनाओं के प्रति विफलता को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि सपा का नाम समाजवादी, सोच परिवारवादी और काम दंगावादी है। सपा सरकार ने गुंडे, माफियाओं के आगे घुटने टेक दिए थे। बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों को दी जाने वाली पेंशन अपनी पार्टी के पदाधिकारियों को समाजवादी पेंशन के नाम पर बांट दी थी। जनता ने सपा की तुलना में बीते पांच साल में भाजपा की डबल इंजन सरकार को देखा है। आज उसका परिणाम है कि पूरे प्रदेश में भाजपा को जनता का प्रचंड समर्थन मिल रहा है। बच्चा–बच्चा भाजपा बोल रहा है।

तीन दिवसीय दौरे पर गुरुवार दोपहर बाद गोरखपुर पहुंचे सीएम योगी सिविल लाइंस स्थित एक मैरेज हाल में पदाधिकारी बैठक को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के लिए पार्टीजनों में जोश भरते हुए उन्होंने कहा कि वह लगातार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में चुनाव प्रचार में जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग की कतिपय पाबंदियों के चलते सभाओं में लोगों की संख्या सीमित की गई है लेकिन सड़कों पर जनता का उत्साह देखते ही बनता है। पश्चिमी यूपी में एक ही मुद्दा है, सुरक्षा का। मीडिया जब लोगों से यह पूछ रही है कि भाजपा को ही वोट क्यों देंगे, तो जनता से जवाब मिल रहा कि भाजपा सरकार ने हमें सुरक्षा का वातावरण दिया है। सीएम ने कहा कि पांच साल पहले सपा की सरकार में वहां बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं। महिलाएं घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान नहीं खोल पाते थे। लोगों का पलायन होता था। दंगे होते थे। पूरी तरह असुरक्षा का वातावरण था। पर, भाजपा के पांच वर्ष के शासन के दौरान किसी ने दंगा का नाम सुना क्या। कोई दरिंदा किसी बहन–बेटी के साथ जबरदस्ती कर सकता है क्या। आज आधी आबादी बेहिचक कहती है, भाजपा सरकार ने हमें सुरक्षा दी है, यही तो रामराज्य है। हम सुरक्षित हैं तो कुछ भी करने में समर्थ हैं। इसलिए वोट तो बीजेपी को ही देंगे।

सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करता है जाति की बात करने वाला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गरीबों के कल्याण के लिए भाजपा भाजपा सरकार की तमाम योजनाओं को विस्तार से बताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गरीब की कोई जाति नहीं होती। जाति की बात करने वाले अवसर मिलने पर सिर्फ अपने परिवार के कल्याण के लिए काम करते हैं। किसी गरीब से पूछिए कि पिछली सरकार ने उसके लिए क्या किया। उत्तर प्रदेश में सपा सरकार ने महज 18 हजार पीएम आवास स्वीकृत कराए थे, वह भी लोगों को दिए नहीं। जबकि भाजपा सरकार ने 43.50 लाख गरीबों को बिना जातीय भेदभाव के पीएम आवास दिए हैं। न तो किसी गरीब को सिफारिश करनी पड़ी और न ही कहीं किसी को रुपया देना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने जितने पीएम आवास पूरे प्रदेश में नहीं स्वीकृत कराए उससे अधिक 32 हजार हमने सिर्फ गोरखपुर महानगर में गरीबों को बनाकर दिए हैं। पूरे जिले में यह संख्या एक लाख से भी अधिक है।

पेंशन निराश्रितों के लिए है, छंटे गुंडों के लिए नहीं

पेंशन योजना को लेकर भी सीएम योगी पूर्व की सपा सरकार पर खासे हमलावर रहे। उन्होंने कहा कि पूर्व में दिव्यांगों को 300, बुजुर्गों को 400 और विधवाओं को 500 रुपये दी जाने वाली पेंशन को भी सपा सरकार ने रोक दिया था। पेंशन का यह पैसा वह अपने पार्टी के पदाधिकारियों में समाजवादी पेंशन के नाम पर बांट रही थी। भाजपा की सरकार बनने पर हमने तय किया कि पेंशन निराश्रितों के लिए है, छंटे गुंडों के लिए नहीं। यही नहीं सरकार ने पेंशन की धनराशि भी बढ़ा दी है। भाजपा की सरकार प्रदेश में एक करोड़ पात्र लोगों को 12000 रुपये सालाना पेंशन दे रही है।

15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की डबल डोज

सीएम ने कहा कि जब 2017 में भाजपा की सरकार बनी तो राशनकार्डों की जांच कराई गई। 40 लाख कार्ड फर्जी पाए गए। इन पर राशन तो उठता था लेकिन गरीब के पास नहीं पहुंचता था। जबकि आज बीजेपी की डबल इंजन सरकार प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का डबल डोज दे रही है। इस दौरान कुशीनगर के मुसहरों का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 2016 में वह भूख से मर रहे। मुसहरों के बीच गए थे। उनके घर में अन्न का एक दाना नहीं था। मैंने 2003 में आंदोलन कर उनके राशनकार्ड बनवाए थे। पूछने पर पता चला कि सपा सरकार ने उनके राशनकार्ड निरस्त कर सपाइयों को दे दिए थे। आज जब भाजपा सरकार है किसी भी मुसहर की मौत भूख से नहीं हुई है। सबको पर्याप्त खाद्यान्न मिल रहा है।

जिनका सारा काम अंधेरे में, वो बिजली कैसे देते

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सपा–बसपा सरकारों में बिजली तक नहीं मिलती थी। जिनका खुद का सारा काम अंधेरे में होता था तो वह जनता को बिजली कैसे देते। आज भाजपा सरकार में गांव–गांव तक लोगों को भरपूर बिजली मिल रही है।

पांच साल में इंसेफलाइटिस स्वाहा

पूर्वी उत्तर प्रदेश की त्रासदी रही इंसेफलाइटिस के नियंत्रण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समन्वित प्रयासों से बीते पांच सालों में इंसेफलाइटिस को स्वाहा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इंसेफलाइटिस से मरने वाले सर्वाधिक बच्चे अनुसूचित और अल्पसंख्यक समाज के होते थे। सवाल उनकी जाति का नहीं था, यह बच्चे समाज के बच्चे थे। पर बच्चे तो वोट बैंक होते नहीं इसलिए पूर्व की सरकारें उनके बारे में सोचती भी नहीं थीं। जब सोच ईमानदार नहीं होती है तो काम भी दमदार नहीं होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर–घर शौचालय बनाकर तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर हमने पांच साल में इंसेफलाइटिस को एकदम समाप्त किया है। जबकि 2017 के पहले तक गोरखपुर–बस्ती मंडल में प्रतिवर्ष दो से तीन हजार बच्चों की इससे मौत हो जाती थी। इसको लेकर सरकार की संवेदना जगाने के लिए मेडिकल कॉलेज से कलेक्ट्रेट और कमिश्नरी तक उनके आंदोलनों की साक्षी यहां की जनता भी है।

शत प्रतिशत दी गई कोविड वैक्सीन की पहली डोज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कोविड वैक्सीन की पहली डोज शत प्रतिशत लोगों को दी जा चुकी है। दूसरी रोज भी 70 प्रतिशत लोगों को मिल गई है। 25 करोड़ की आबादी वाले राज्य में 26.5 करोड वैक्सीन की डोज दी गई है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन को लेकर जो लोग दुष्प्रचार कर रहे थे कि यह मोदी और बीजेपी की वैक्सीन है, हम नहीं लेंगे, उन्हें भी आज इसी वैक्सीन ने बचाया है। यह बात बता कर उन्हें सांकेतिक तमाचा मारने की जरूरत है। शत प्रतिशत वैक्सीनेशन इस बात का प्रमाण भी है कि जनता बीजेपी और मोदी के साथ है। कोरोना प्रबंधन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रथम और द्वितीय लहर की तरह कोरोना की तीसरी लहर पर भी हमने प्रभावी नियंत्रण प्राप्त कर लिया है।

बम नहीं अब विकास की बम–बम है गोरखपुर की पहचान

गोरखपुर की पुरानी और नई पहचान के बीच एक तुलनात्मक खाका खींचते हुए सीएम योगी ने कहा कि अब गोरखपुर की पहचान बम से नहीं बल्कि विकास के बम–बम से है। इसे लेकर उन्होंने पहली बार सांसद चुने जाने के बाद तत्कालीन उर्वरक मंत्री सुरजीत सिंह बरनाला से हुई अपनी मुलाकात का स्मरण भी सुनाया। तब तत्कालीन उर्वरक मंत्री ने सत्तर के दशक में अपनी गोरखपुर यात्रा के दौरान हुई बमबाजी का जिक्र योगी आदित्यनाथ से किया था। सीएम योगी ने कहा कि विकास सरकार की सोच के अनुरूप आगे बढ़ता है। गोरखपुर में फ़र्टिलाइज़र कारखाना, एम्स, बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉ, रामगढ़ ताल का सुंदरीकरण, चौड़ी सड़कें, चिड़ियाघर, वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, सैनिक स्कूल, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, पीएसी की महिला बटालियन, आयुष विश्वविद्यालय आदि विकास कार्यों की लंबी श्रृंखला है। हमें विकास की इस यात्रा को सामने नहीं देना है ताकि आने वाली पीढ़ी हमें कोसने ना पाए।

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक की मौत दूसरा घायल

संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार को निगोहां कस्बे दो अलग अलग जगहों सड़क दुघटनाए हो गई, जिसमे पहली घटना तेज गति बुलेट सवार ने पैदल जा रहे बुजुर्ग जोरदार टक्कर दी। जिसमें बुजुर्ग गम्भीर रूप से घायल हो गया। वही, बाइक सवार मौके से भाग निकला। दूसरी घटना में पैदल जा रहे व्यक्ति को एक कार सवार ने टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना पर दोनो जगहों पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी मोहनलालगंज भेजा,जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। व दूसरे का इलाज चल रहा है।निगोहां के शेरपुर लवल गाँव के मजरा गोसाईखेड़ा के गौरी शंकर (65) निगोहां कस्बा में बिसात खाने की दुकान चलाते हैं। गुरुवार को वह दुकान से कस्बे में ही पैदल निकले थे। इसी दौरान लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रही तेज रफ्तार बुलेट सवार ने बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से भाग निकला।वही, बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने घायल बुजुर्ग को सीएचसी मोहनलालगंज भेजा जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक बुजुर्ग की पत्नी से पूर्व में ही सम्बंध विच्छेद हो गया है। मृतक के कोई संतान नहीं है,वह अपने चार अन्य भाइयों के साथ रहता था। परिवारीजनों ने पोस्टमार्टम करने से मना कर दिया। वहीं दूसरी घटना कस्बे में स्तिथ केनरा बैंक के पास हुई जहां पैदल सड़क पार कर रहे रत्नापुर गांव निवासी रामलाल को तेज रफ्तार कार क्स 3 ब्र्ठ 8237 ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमे रामलाल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका उपचार सीएचसी मोहनलालगंज में चल रहा है।

उ0प्र0 विधान परिषद के 35 स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से 36 सदस्यों का निर्वाचन दो चरणों में किया जायेगा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने उ0प्र0 विधान परिषद के 35 स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से 36 सदस्यों का निर्वाचन दो चरणों में किया जाना है। इन सदस्यों का कार्यकाल 07 मार्च 2022 को समाप्त हो रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत 29 स्थानीय निर्वाचन क्षेत्रों से 30 सदस्यों का चुनाव किया जाना है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के लिए 04 फरवरी, 2022 (शुक्रवार) को निर्वाचन की अधिसूचना जारी होगी। 11 फरवरी, 2022 (शुक्रवार) को नाम निर्देशन की अंतिम तिथि, 14 फरवरी, 2022 को नाम निर्देशन की जांच की जायेगी व 16 फरवरी, 2022 को नाम वापसी की अंतिम तिथि होगी। प्रथम चरण के लिए मतदान 03 मार्च, 2022 (बृहस्पतिवार) को होगा। मतदान का समय पूर्वाह्न 08:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक निर्धारित है। भारत निर्वाचन आयोग ने जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण के जिन 29 स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचन के लिए अधिसूचना जारी हो रही है, उनका विवरण इस प्रकार है– मुरादाबाद–बिजनौर, रामपुर– बरेली, बदायूँ, पीलीभीत– शाहजहाँपुर, हरदोई, खीरी, सीतापुर, लखनऊ–उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, बाराबंकी, बहराइच, आजमगढ़–मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर–सोनभद्र, इलाहाबाद, बांदा –हमीरपुर, झांसी– जालौन– ललितपुर, कानपुर– फतेहपुर, इटावा– फर्रूखाबाद, आगरा– फिरोजाबाद, अलीगढ़, बुलन्दशहर, मेरठ–गाजियाबाद व मुजफ्फरनगर –सहारनपुर व मथुरा– एटा–मैनपुरी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र हैं। मथुरा–एटा–मैनपुरी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से 02 सदस्य व शेष निर्वाचन क्षेत्रों से 01–01 सदस्य निर्वाचित होने हैं।

छठें चरण के मतदान के लिए 10 जिलों की 57 विधान सभा सीटों के लिए

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी, शान्तिपूर्ण व कोविड सुरक्षित मतदान के लिये चुनाव की प्रक्रिया संचालित है। उ0प्र0 विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 के लिए छठें चरण के मतदान के लिए 04 फरवरी, 2022 (शुक्रवार) को अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी की जायेगी। इसके साथ ही छठें चरण के 10 जिलों में अम्बेडकरनगर, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया व बलिया की 57 विधान सभा सीटों के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जायेगी। छठें चरण की 57 विधान सभा सीटों में 11 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गत 05 जनवरी, 2022 को प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार छठें चरण में कुल 2,14,62,816 (दो करोड़ चौदह लाख बासठ हजार आठ सौ सोलह) मतदाता हैं। इसमें 1,14,63,113 पुरूष मतदाता, 99,98,383 महिला मतदाता व 1320 थर्ड जेंडर के मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान का समय प्रातः 07:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

भारत निर्वाचन आयोग ने घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार छठें चरण के नामांकन की अन्तिम तिथि 11 फरवरी, 2022 (शुक्रवार) है। नामांकन की जॉच 14 फरवरी, 2022 (सोमवार) को की जायेगी व 16 फरवरी, 2022 (बुधवार) को नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित की गयी है। छठें चरण का मतदान 03 मार्च, 2022 (गुरूवार) को सम्पन्न होगा व 10 मार्च, 2022 (गुरूवार) को मतगणना होगी।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 04 फरवरी को छठें चरण की जिन 57 विधान सभा सीटों के लिये नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी, इसमें 277–कटेहरी, 278–टांडा, 279–आलापुर (अ0जा0), 280–जलालपुर, 281–अकबरपुर, 291–तुलसीपुर, 292–गैंसड़ी, 293–उतरौला, 294–बलरामपुर (अ0जा0), 302–श्रावस्ती, 303–कपिलवस्तु (अ0जा0), 304–बांसी, 305–इटवा, 306–डुमरियागंज, 307–हर्रैया, 308–कप्तानगंज, 309–रूधौली, 310–बस्ती सदर, 311–महादेवा (अ0जा0), 312–मेंहदावल, 313– खलीलाबाद, 314–धनघटा (अ0जा0), 315–फरेंदा, 316– नौतनवा, 317–सिसवा, 318– महराजगंज (अ0जा0), 319 –पनियरा, 320– कैम्पियरगंज, 321–पिपराइच, 322–गोरखपुर शहर, 323–गोरखपुर ग्रामीण, 324–सहजनवा, 325–खजनी (अ0जा0), 326–चौरी–चौरा, 327–बांसगांव (अ0जा0), 328–चिल्लूपार, 329–खड्डा, 330–पडरौना, 331–तमकुही राज, 332–फाजिलनगर, 333–कुशीनगर, 334–हाटा, 335–रामकोला (अ0जा0), 336– रूद्रपुर, 337–देवरिया, 338–पथरदेवा, 339–रामपुर कारखाना, 340–भाटपार रानी, 341–सलेमपुर (अ0जा0), 342–बरहज, 357– बेल्थरा रोड (अ0जा0), 358– रसड़ा, 359–सिकन्दरपुर, 360–फेफना, 361– बलिया नगर, 362–बांसडीह व 363–बैरिया विधान सभा सीट शामिल हैं। कोविड–19 महामारी के दृष्टिगत नामांकन के समय किसी भी प्रत्याशी को जुलूस की अनुमति नहीं दी जायेगी।

आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सार्वजनिक व निजी स्थानों से

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश भर में लागू आदर्श आचार संहिता को सुनिश्चित कराने के लिये सार्वजनिक व निजी स्थानों से अब तक कुल 79,20,775 प्रचार सामग्री हटायी गयी है, जिसमें से सार्वजनिक स्थानों से 59,40,294 व निजी स्थानों से 19,80,481 प्रचार सामग्री हटायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक सार्वजनिक स्थानों से वाल राइटिंग के 4,14,993 पोस्टर के 26,27,376 बैनर के 19,19,011 व 9,78,914 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी है। इसी प्रकार निजी स्थलों से वाल राइटिंग के 1,82,825 पोस्टर के 8,80,598 बैनर के 5,65,077 व 3,51,981 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, समावेशी व कोविड सुरक्षित मतदान कराने के लिए प्रदेश में आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में पुलिस, आयकर, आबकारी, नारकोटिक्स व अन्य विभागों ने कार्यवाही की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग ने अब तक 8,22,191 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये। अब तक 670 लाइसेन्स जब्त किये गये। अब तक 1474 लाइसेन्स निरस्त किये गये। इसी प्रकार सी0आर0पी0सी0 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुये 30,25,676 लोगों को पाबन्द किया गया हैं। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में अब तक विभिन्न धाराओं में 684 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है, जिसमें से आज विभिन्न धाराओं में 38 एफआईआर दर्ज की गयी। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग ने अब तक 7664 शस्त्र, 8080 कारतूस, 214 विस्फोटक व 257 बम बरामद किये गये। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुलिस विभाग व आयकर विभाग की कार्रवाई में अब तक 30.82 करोड़ रूपये से अधिक का कैश बरामद किया गया है, जिसमें से लगभग 2.72 करोड़ रुपये का कैश आज बरामद किया गया है। इसके अतिरिक्त आबकारी व पुलिस विभाग ने अब तक 25.21 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की 9,36,681 लीटर मदिरा जब्त की गयी हैं। इसी प्रकार नारकोटिक्स व पुलिस विभाग ने अब तक 28.91 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य का 8000 कि0ग्रा0 ड्रग्स जब्त किया गया है।

योगी जी जितना धमकाएंगे हम लोग उतने ही संगठित और ताकतवर होंगेः जयंत

संवाददाता

लखनऊ। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि गठबंधन के प्रति लोगों का भरोसा और विश्वास बढ़ा है। हमारी बीच की एकता से किसान नौजवान और कमेरा वर्ग में उम्मीद जगी है। इससे भाजपा की बौखलाहट बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी और अन्य नेता बौखलाए हुए हैं, इसीलिए गर्मी और ठंडक जैसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। बुलंदशहर में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ प्रेस कांफ्रेस में जयंत चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा होती है। हमने किसी भी मुख्यमंत्री से इस तरह की भाषा कभी नहीं सुनी थी।

संक्षिप्त समाचार

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए संशमनी वटी का किया निःशुल्क वितरण

संवाददाता

लखनऊ। कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के लिए क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसन्धान संस्थान ने संशमनी वटी का निरूशुल्क वितरण आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया। केंद्रीय आयुवेर्दीय विज्ञान अनुसन्धान परिषद् सीसीआरएएस भारत सरकार के अधीनस्थ संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. ओम प्रकाश के निर्देशन में आचार्य सरस्वती शिशु मंदिर के सहयोग से इंदिरानगर स्थित तकरोही में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्थान के नोडल अधिकारी व वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने करीब 600 लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए श्संशमनी वटीश का निरूशुल्क वितरण किया। साथ ही आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आयुर्वेद आधारित जीवनशैली के लिए दिशानिर्देश प्रपत्र भी वितरित किये गए। शिविर में आमजन को दवा के साथ–साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले आहार व जीवनशैली के बारे में भी बताया गया तथा लोगों को मास्क पहनने के लिए जागरूक भी किया गया।

मुख्यमंत्री का नामांकन कल, गृह मंत्री अमित शाह रहेंगे मौजूद

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करेंगे। नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह , केंद्रीय मंत्री एवं यूपी चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी उपस्थित रहेंगे। तीनों नेता नामांकन सभा को भी संबोधित करेंगे।नामांकन से पूर्व होने वाली सभा महाराणा प्रताप इंटर कालेज में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में शहर के विभिन्न वर्गो के चुने हुए 1000 प्रतिनिधि चुनाव आयोग के निर्देशों का अनुपालन करते हुए जनसभा में शामिल होंगे। इन एक हजार लोगों में शिक्षाविद, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्यमी, व्यापारी, अधिवक्ता समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं प्रतिनिधि एवं जन प्रतिनिधि होंगे। इस चुनावी जनसभा का प्रसारण सोशल मीडिया पर भी किया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में शिवावतारी गुरु गोरखनाथ का पूजन एवं ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का आशीर्वाद लेकर सीधे कलेक्ट्रेट में एडीएम वित्त एवं राजस्व की कोर्ट (कक्ष संख्या 24) में नामांकन दाखिल करने के बाद जनसभा स्थल पहुंचेंगे।नामांकन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह श्री, धर्मेंद्र प्रधान एवं श्री स्वतंत्रदेव सिंह समेत अन्य बड़े नेता गोरखनाथ मंदिर में दर्शन पूजन–हेतु जाएंगें।

राधेलाल परंपरा सहित चार प्रतिष्ठानों पर 2.75 लाख रुपये अर्थदंड

संवाददाता

लखनऊ। घटिया खाद्य सामग्री की बिक्री पर राधेलाल परंपरा सहित चार प्रतिष्ठानों पर 2.75 लाख रुपये अर्थदंड लगाया है। एडीएम पूर्वी केपी सिंह की कोर्ट ने नौ वादों पर फैसला सुनाया है। मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया पर 2.10 लाख रुपये, बालागंज स्थित राधेलाल परंपरा पर 35 हजार रुपये, बंथरा स्थित यशराज ब्रेवरेज और सुभाष मार्ग स्थित सवरिया सेल्स कारपोरेशन पर 15–15 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। अभिहित अधिकारी एसपी सिंह ने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावट खोरी पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाकर विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया से लिए गए जीरा, सौंफ, साबुत धनिया, मेथी व फ इन लाइफ चना मसाला पापड़, राधेलाल परंपरा से खोया और कालाजाम, यशराज ब्रेवरेज से रियल मैंगो पल्प और सवरिया सेल्स कारपोरेशन से मिर्च पाउडर के लिए गए नमूने जांच रिपोर्ट में घटिया पाए गए। जिसके बाद एडीएम पूर्वी की कोर्ट में वाद दायर किया गया था। जिस पर एडीएम पूर्वी की कोर्ट ने निर्णय सुनाया है। एक महीने के भीतर अर्थदंड जमा न करने पर भू–राजस्व की भांति वसूली की जाएगी।

सपा सरकार बनने पर गर्मी नहीं, नौकरियों के लिए भर्ती निकाली जाएगी: अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में सपा गठबंधन के पक्ष में हवा चल रही है। हर तरफ जनता का समर्थन उमड़ रहा है। इसी से भाजपा के लोग और मुख्यमंत्री परेशान हैं। उनको समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। इसीलिए उनकी भाषा बदल गई है। अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री गर्मी की बात कर रहे हैं और हम भरोसा दिलाते हैं कि गठबंधन की सरकार बनेगी तो गर्मी नहीं नौकरियों के लिए भर्ती निकाली जाएगी। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री क्या फ्रि ज का कंप्रेसर हैं, जो चीजों को ठंडा कर देते हैं। भाजपा सरकार ने नौकरियां छीनी है, लोगों को बड़ी संख्या में बेरोजगार किया है। हम नौजवानों से अपील करते हैं कि वह हर बूथ पर भाजपा को हराने का काम करें। उत्तर प्रदेश में विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में नौकरियां खाली हैं। समाजवादी गठबंधन की सरकार बनने पर सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। साथ ही फ ौज में भी भर्ती खोली जाएगी।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने केंद्रीय बजट में किसानों के साथ धोखा किया है, ऐसा बजट पहली बार आया है जिसमें गरीब और किसान को कुछ भी नहीं महसूस हो रहा है। भाजपा सरकार ने अपनी गलत नीतियों से बड़े–बड़े कारखाने बेचकर उद्योग, कारखानों को चौपट कर दिया है। यह किसानों की सरकार नहीं है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। आज महंगाई बढ़ गई है और कमाई आधी हो गई है। भाजपा सरकार ने डीजल, पेट्रोल महंगा कर दिया किसानों को खाद नहीं मिला। किसान को किसी फ सल की एमएसपी नहीं मिली। लखीमपुर में किसानों को जीप से कुचल दिया गया। किसान इसे भूले नहीं हैं। यह चुनाव किसानों के मान सम्मान का चुनाव है। इस बार जनता ने तय किया है कि भाईचारा जीतेगा। यह चुनाव भाईचारा बनाम भाजपा है। जिस तरह का ऐतिहासिक समर्थन मिल रहा है।

नामांकन की तैयारियां पूरी जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल, निष्पक्ष, स्वतन्त्र एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दीपक मीणा द्वारा नामांकन हेतु की गयी तैयारियों को लेकर नामांकन कक्ष, कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समस्त विधान सभा क्षेत्र हेतु बनाये गये नामांकन कक्ष का निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त रिटर्निंग आफिसर को निर्देश दिया कि नामांकन के दौरा किसी भी प्रकार की समस्या न हो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नामांकन के दौरान सभी लोग कोविड प्रोटोकाल का पालन करेगे। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन

अधिकारी उमाशंकर, अपर पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत तथा अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

उपजिलाधिकारी ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल विधानसभा क्षेत्र के गांवों में मतदान केंद्रों का बृहस्पतिवार को उपजिलधिकारी रमेश कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर घोरावल विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों जिसमें हिन्दुआरी, बहुअरा, तेंदू, बभनौली, मधुपुर, नागनारहरैया, बट, बंतरा, सुकृत, खानेआजमपुर, तकिया दरगाह लोहरा, मझुई, गड़ही दाढ़, सरौली, सिरसिया ठकुराई आदि का निरीक्षण किया गया। इन मतदान केंद्रों पर मतदान की तैयारी के दृष्टिगत आवश्यक भौतिक सुविधाओं की स्थिति, वेबकास्टिंग हेतु आवश्यक सुविधाए, वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए कृत कार्यवाही, क्रिटिकल और वनरेबल बूथों पर की गई कार्यवाही समीक्षा, रूट और कम्युनिकेशन प्लान की समीक्षा की समीक्षा की गई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान व उनके प्रतिनिधि और ग्रामीणों के साथ मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं व टीकाकरण को लेकर चर्चा की

गई। ग्रामीणों को टीकाकरण के महत्व के बारे में बताया गया तथा अपने परिवार के 15 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों का टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साथ सभी मतदाताओं को भयमुक्त होकर के मतदान करने को कहा गया।

हन्ड्रेड डेज रीडिंग कैम्पेन में अभिभावकों को जोड़ें शिक्षक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मिशन प्रेरणा के अंतर्गत माह जनवरी से अप्रैल तक संचालित होने वाले सौ दिवसीय रीडिंग कैम्पेन को सफल बनाने में अभिभावकों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है. राज्य परियोजना कार्यालय से प्राप्त दैनिक ई– पठन सामग्री, शैक्षिक गतिविधियों तथा वीडियोज का लाभ बच्चों को तभी मिल सकता है जब अभिभावक पूरी तरह जागरूक होकर अपनी निगरानी में बच्चों को मोबाइल व्हाट्सएप ग्रुप एवं रीड एलांग ऐप आदि पर पढ़ने– सीखने का अवसर प्रदान करेंगे. इसलिए शिक्षकों को अभिभावकों से नियमित संपर्क कर उनका सहयोग लेना होगा। उपरोक्त सुझाव विकास क्षेत्र नौगढ़ एवं बर्डपुर के एआरपी एवं संकुल शिक्षकों की आनलाइन बैठक में एस आर जी सदस्य अंशुमान सिंह ने दिए. वर्चुअल वेबिनार को संबोधित करते हुए डीसी प्रशिक्षण सुभाषचंद्र शुक्ल एवं सम्पर्क फाउंडेशन के समन्वयक रोहित यादव ने सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए मोहल्ला क्लासेज के संचालन सहित व्हाट्सएप पर ई–पाठशाला के संचालन में प्रेरणा साथियों का सहयोग सुनिश्चित करने संबंधित महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। वेबिनार में एसआरजी दयाशंकर पांडेय एवं अपूर्व श्रीवास्तव सहित नौगढ़ एवं बर्डपुर ब्लॉक के समस्त एआरपी एवं शिक्षक संकुल धर्मेन्द्र सिंह, नियाज अहमद, अनिल पांडेय, शमसुल हक, सालिकराम चौधरी, रचना बाजपेयी, धर्मेन्द्र चौधरी, शिखा श्रीवास्तव आदि सम्मिलित रहे।

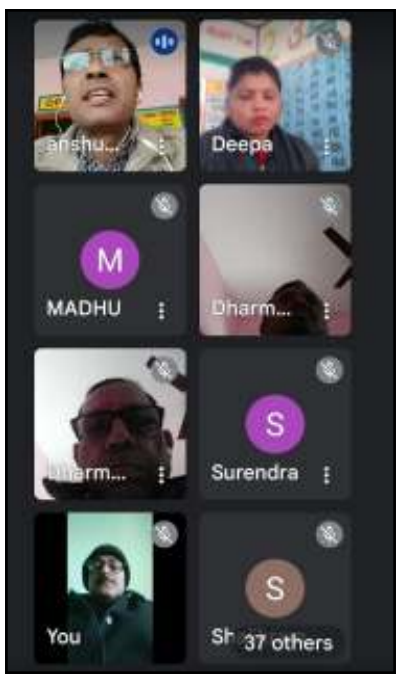

उड़न दस्ता एंव वीडियो निगरानी टीम का गठन जिलाधिकारी ने किया- दीपक मीणा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल, निष्पक्ष, स्वतन्त्र एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दीपक मीणा की अध्यक्षता में गठित वीडियो निगरानी टीमो के साथ लोहिया कलाभवन में बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दीपक मीणा जनपद में गठित विधान सभावार उड़न दस्ता टीम के प्रभारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप जनपद में वाहनों की प्रभावी चेकिंग की जाये, किसी भी वाहन को देखने पर संदिग्ध ा लगे तो उसकी चेकिंग अनिवार्य रूप से करे। इसके साथ ही वीडियों निगरानी टीम प्रभारी को निर्देश दिया कि आप लोग सक्रिय रहकर विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल सम्पन्न कराये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन का कार्य पूरी निष्पक्षता के साथ स्वतन्त्र रूप से सम्पन्न कराये जाने के लिए हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है। यदि कोई आचार संहिता का उल्लघन करता है तो उसके विरूद्ध एफ0आई0आर0 कराकर उपजिलाधिकारी सूचित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक को भी सूचित करेगे। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) उमाशंकर, अपर पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत, वरिष्ठ कोषाधिकारी विनोद कुमार तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

एक वृक्ष सौ पुत्र के समान होता है- मनोज दूबे

पूर्व प्रधान ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर किया वृक्षारोपण

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुगही के पूर्व प्रधान मनोज दूबे ने अपने जन्मदिवस पर वृक्षारोपण कर लोगो को जागरूक किया गया वही मनोज दूबे ने बताया की जबतक जीवन रहेगा तबतक वृक्ष लगाएंगे लोगो से अपील भी किए और कहे कि लोग वृक्ष को काटे नही बल्कि वृक्ष को लगाने का कार्य करे जब पृथ्वी पर पौधे रहेंगे तभी लोगो का जीवन रहेगा एक पौधे लगाने से सौ पुत्र के समान होता है जब पौधे रहेंगे तभी लोगो को ऑक्सीजन मिल पाएगा पौधे से कार्बन डाइऑक्साइड मिलता है पूर्व प्रधान के साथ राजकुमार पाठक भी रहे मौजूद।

हन्ड्रेड डेज रीडिंग कैम्पेन में अभिभावकों को जोड़ें शिक्षक

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मिशन प्रेरणा के अंतर्गत माह जनवरी से अप्रैल तक संचालित होने वाले सौ दिवसीय रीडिंग कैम्पेन को सफल बनाने में अभिभावकों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है. राज्य परियोजना कार्यालय से प्राप्त दैनिक ई– पठन सामग्री, शैक्षिक गतिविधियों तथा वीडियोज का लाभ बच्चों को तभी मिल सकता है जब अभिभावक पूरी तरह जागरूक होकर अपनी निगरानी में बच्चों को मोबाइल व्हाट्सएप ग्रुप एवं रीड एलांग ऐप आदि पर पढ़ने– सीखने का अवसर प्रदान करेंगे. इसलिए शिक्षकों को अभिभावकों से नियमित संपर्क कर उनका सहयोग लेना होगा। उपरोक्त सुझाव विकास क्षेत्र नौगढ़ एवं बर्डपुर के एआरपी एवं संकुल शिक्षकों की आनलाइन बैठक में एस आर जी सदस्य अंशुमान सिंह ने दिए. वर्चुअल वेबिनार को संबोधित करते हुए डीसी प्रशिक्षण सुभाषचंद्र शुक्ल एवं सम्पर्क फाउंडेशन के समन्वयक रोहित यादव ने सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए मोहल्ला क्लासेज के संचालन सहित व्हाट्सएप पर ई–पाठशाला के संचालन में प्रेरणा साथियों का सहयोग सुनिश्चित करने संबंधित महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। वेबिनार में एसआरजी दयाशंकर पांडेय एवं अपूर्व श्रीवास्तव सहित नौगढ़ एवं बर्डपुर ब्लॉक के समस्त एआरपी एवं शिक्षक संकुल धर्मेन्द्र सिंह, नियाज अहमद, अनिल पांडेय, शमसुल हक, सालिकराम चौधरी, रचना बाजपेयी, धर्मेन्द्र चौधरी, शिखा श्रीवास्तव आदि सम्मिलित रहे।

घोरावल प्रभारी निरीक्षक ने किया फ्लैग मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर बृहस्पतिवार को प्रभारी निरीक्षक घोरावल देवतानंद सिंह के नेतृत्व में सीआरपीएफ एवं पुलिस ने घोरावल नगर व ग्रामीण इलाकों में फ्लैग मार्च किया। प्रभारी निरीक्षक देवतानंद सिंह ने बताया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता पालन करने के लिए अर्धसैनिक बलों एवं पुलिस फोर्स द्वारा घोरावल नगर शिवद्वार मार्ग, तहसील रोड, मेन तिराहा, रॉबर्ट्सगंज मार्ग, पुरानी बाजार, मुक्खा मोड़,खुटहां समेत पूरे बाजार तक फ्लैग मार्च किया गया। इसके बाद शिवद्वार, सतद्वारी, हिरनखुड़ी, कोहरथा, लोहांडी व ओदार इत्यादि ग्रामीण इलाकों में भी फ्लैग मार्च किया गया। इस ग्रामीण इलाकों व घोरावल नगर मे शांति व्यवस्था बनाये रखने तथा आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन किए जाने की अपील की गई। मतदाताओं को भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई।

जनपद के प्रत्येक विकास खण्डों में 05-05 बूथों को मॉडल मतदान केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा

संवाददाता

बहराइच । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 में शत–प्रतिशत मतदाताओं की उपस्थिति तथा मतदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से जनपद के प्रत्येक विकास खण्डों में 05–05 बूथों को मॉडल मतदान केन्द्र के रूप में विकसित किया जायेगा। जनपद में मॉडल मतदान केन्द्रों की स्थापना के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों का जायज़ा लेने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना ने विकास खण्ड जरवल अन्तर्गत मतदान केन्द्र उच्च प्राथमिक विद्यालय मुस्तफाबाद तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय बढ़ौली का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। सीडीओ कविता मीना ने निर्देश दिया कि माडल बूथ के लिए विद्यालय के ऐसे कमरे का चयन करें, जिसमें महिला एवं पुरूष के लिए अलग–अलग जाने हेतु दो दरवाजे हों। मतदान प्रकोष्ठ को सही ढंग से बनवायें। मतदाताओं के जाने एवं आने हेतु साइनेज लगवायें।

मतदान केन्द्र पर पीने के पानी की उचित व्यवस्था करें तथा पानी पीने हेतु कागज के गिलास का प्रयोग करायें गिलास के प्रयोग के बाद डस्टबिन में ही डलवायें। मेन गेट तथा प्रतीक्षा कक्ष की साज–सज्जा करायें। मतदान केन्द्र पर रहने वाले कर्मचारी अपना परिचय पत्र अवश्य लगायें। ग्राम पंचायत अधिकारी को निर्देशित किया गया कि किसी भी मतदाता को मतदान करने में कोई परेशानी न हो। सीडीओ ने यह भी निर्देश दिया कि मॉडल मतदान केन्द्र के लिए चिन्हित भवनों के प्रवेश द्वार पर सुन्दर एवं आकर्षक स्वागत द्वार बनाया जायेगा। स्वागत द्वार को मतदाता जागरूकता सन्देश से सम्बन्धित फ्लेक्स, स्टैण्डी व गुब्बारों इत्यादि से सजाया जाय। स्वागत द्वार से मतदान कक्ष तक मतदाताओं के लिए रेड कार्पेट बिछायी जाये। मतदान केन्द्र के बाहर पर्याप्त साफ–सफाई तथा चूनाकारी इत्यादि की जाये ताकि वहॉ का माहौल उत्सव जैसा लगे। निरीक्षण के समय जिला विकास अधिकारी राजेश कुमार मिश्र, खण्ड विकास अधिकारी जरवल, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) ग्राम से सम्बन्धित ग्राम पंचायत अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एमएलसी निर्वाचन के लिए नामित किये गये प्रभारी व सहायक प्रभारी अधिकारी

बहराइच। बहराइच स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र जनपद–बहराइच/श्रावस्ती के सामान्य निर्वाचन 2022 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के लिए पूर्व में नियुक्त किये गये प्रभारी व सहायक प्रभारी अधिकारियों को ही स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र जनपद–बहराइच/श्रावस्ती के निर्वाचन की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

अस्त्र-शस्त्र, मदिरा व असामाजिक तत्वों के संचरण की हो रही है सतत् निगरानी

संवाददाता

बहराइच । विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू आदर्श आचार संहिता/निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों के लिए तीन–तीन स्टैटिक सर्विलांस टीमों का गठन किया गया है। जनपद में गठित की गयीं सभी एस.एस. टीमें अधिसूचना जारी होने की तिथि से अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय है। निर्वाचन की शुचिता को बनाये रखने के लिए गठित टीमें पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान अत्यधिक प्रचार खर्चो, घूस की वस्तुओं का नकद या वस्तु के रूप में वितरण, अवैध हथियारों, गोला बारूद, मदिरा या असामाजिक तत्वों आदि की आवाजाही पर निगरानी रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गयी मानक प्रचालन प्रक्रिया का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करायेंगी।

यह जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि सभी एस. एस. टीमें व्यय संवेदनशील बस्तियों में चेक पोस्ट स्थापित कर अपने क्षेत्र में अवैध शराब, रिश्वत की वस्तुओं या भारी मात्रा में नकदी, हथियार एवं गोला–बारूद के लाने एवं ले जाने तथा असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर नजर रखेंगी। सभी टीमों को निर्देश दिया गया है कि जांच के लिए की जाने वाली सम्पूर्ण प्रक्रिया की अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी करते हुए उसका वीडियो तैयार करेंगी या सीसीटीवी में पूरी जॉच प्रक्रिया को रिकार्ड करेंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्टैटिक सर्विलांस टीमों में तैनात मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक दिन आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप में जिला निर्वाचन अधिकारी बहराइच को दैनिक कारगुज़ारी की रिपोर्ट प्रेषित करेंगे और उसकी एक–एक प्रति रिटर्निंग आफिसर, पुलिस अधीक्षक, सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक एवं पुलिस प्रेक्षक को भी उपलब्ध करायेंगे। एस.एस. टीमों की ओर से उपलब्ध करायी गयी रिपोर्ट को संकलित कर ई–मेल/फैक्स के माध्यम से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस मुख्यालय के नोडल अधिकारी को भी उपलब्ध करायी जायेगी।

जिले में तैनात सभी एस. एस. टीमों को निर्देश दिया गया है कि कार्यकलाप मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में ही जॉच की कार्यवाही सम्पन्न करायेंगे और पूरी प्रक्रिया की विधिवत् वीडियोग्राफी भी की जायेगी। सभी टीमों को सख्त हिदायत दी गयी है कि कार्यकलाप मजिस्ट्रेट की गैर मौजूदगी में कोई जॉच की कार्यवाही नहीं करेंगे। जॉच प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के दौरान दिनांक, स्थान एवं टीम संख्या की पहचान के निशान के साथ तैयार किया गया वीडियो/सीसीटीवी का रिकार्ड अगले दिन रिटर्निंग आफिसर को उपलब्ध कराया जायेगा। इस प्रकार के रिकार्ड पूरी तरह से संरक्षित रखें जायेंगे ताकि आयोग द्वारा बाद में आवश्यकता पड़ने पर सत्यापन किया जा सके। इस सम्बन्ध में व्यवस्था दी गयी है कि कोई भी नागरिक रू. 300=00 जमा करके वीडियो/सीसीटीवी रिकार्ड की प्रति हासिल कर सकते हैं।

आयोग की ओर से व्यवस्था दी गयी है कि जब कभी भी किसी एजेंसी द्वारा जिले/राज्य की सीमाओं पर या किसी अन्य स्थान पर किसी भी प्रयोजनार्थ चेक पोस्ट स्थापित किए जायेंगे तो उस क्षेत्र में जांच के दोहराव से बचने के लिए ऐसी टीम के साथ एस.एस.टी. के सदस्य भी वहां मौजूद रहेंगे और नकदी या अन्य मदों की जब्ती की रिपोर्टिंग, एस.एस.टी. द्वारा ही की जाएगी।

डॉ. चन्द्र ने बताया कि जांच के दौरान यदि, अभ्यर्थी, उसके एजेंट, या पार्टी कार्यकर्ता को ले जाने वाले किसी वाहन में 50,000/–रू. से अधिक की नकदी पायी जाती है या वाहन में पोस्टर या निर्वाचन सामग्री या कोई ड्रग्स, शराब, हथियार अथवा 10,000/– रू. के मूल्य से अधिक की ऐसी उपहार वस्तुएं ले जाती हुई पायी जायेंगी, जिनका इस्तेमाल निर्वाचकों को प्रलोभन दिए जाने की संभावना हो या वाहन में कोई अन्य गैर–कानूनी वस्तुयें पायी जाती हैं तो वे जब्त किए जाने की शर्त के अधीन होगी। जांच किये जाने और जब्ती के सम्पूर्ण घटनाक्रम को वीडियो/सीसीटीवी में दर्ज किया जाएगा जो रिटर्निंग अधिकारी को प्रतिदिन प्रस्तुत किया जाएगा।

यदि कोई स्टार प्रचारक अनन्य रूप से अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए 1 लाख रू. तक की नकदी ले जा रहा है, या कोई दलीय पदाधिकारी दल के कोषाध्यक्ष के उस प्रमाण–पत्र, जिसमें धनराशि और उसके अभिप्रेत उपयोग को उल्लेख किया गया हो, के साथ नकदी ले जा रहा हो तो स्थैतिक निगरानी दल में प्राधिकारीगण प्रमाण–पत्र की एक प्रति रख लेंगे और नकदी जब्त नहीं करेंगे। यदि वाहन में 10 लाख रूपये से अधिक की नकदी पाई जाती है और किसी अपराध से जुड़े होने या किसी अभ्यर्थी या अभिकर्ता या दलीय पदाधिकारी की सहलग्नता का कोई संदेह होता है तो स्थैतिक निगरानी दल नकदी जब्त नहीं करेगा, और आयकर कानूनों के अन्तर्गत आवश्यक कार्रवाई करने के लिए आयकर प्राधिकारी को सूचना दे देगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जॉच के दौरान यदि किसी अपराध होने की कोई आशंका है तो कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में सी.आर.पी.सी. के प्रावधानों के अनुसार एसएसटी के प्रभारी पुलिस अधिकारी द्वारा नकदी या अन्य मदों की जब्ती की जाएगी। एस.एस.टी. के प्रभारी पुलिस अधिकारी द्वारा क्षेत्राधिकारी वाले न्यायालय में 24 घण्टे के भीतर शिकायत/एफआईआर दर्ज की जाएगी। डॉ. चन्द्र ने यह भी बताया कि सभी उड़नदस्ते और स्थैतिक निगरानी दल सामान या वाहन की जांच करते समय विनम्र, मार्यादित एवं शिष्ट आचरण रखेंगे। किसी महिला द्वारा धारित पर्स की तब तक जांच नहीं की जाएगी जब तक कि वहां पर कोई महिला अधिकारी न हो। उड़नदस्ता अपने क्षेत्रों में जांच के दौरान स्थैतिक निगरानी दलों के कार्यकलाप एवं उपयुक्त आचरण का पर्यवेक्षण भी करेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जब्ती की कार्यवाही के बाद, जब्त की गई धनराशि न्यायालय द्वारा यथा–निर्दिष्ट तरीके से जमा की जाएगी और रू. 10 लाख से अधिक की नकदी की जब्ती की एक प्रति इस प्रयोजनार्थ परियोजित आयकर प्राधिकारी को भी अग्रेषित की जाएगी।

सम्पादकीय

समग्र दृष्टि से परिपूर्ण वृद्धि पर केंद्रित यह एक भविष्योन्मुखी बजट है। रोजगार को बढ़ाने वाला

आम बजट अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को उम्मीद की किरण दिखाने वाला है। समग्र दृष्टि से परिपूर्ण वृद्धि पर केंद्रित यह एक भविष्योन्मुखी बजट है। रोजगार को बढ़ाने वाला है। फिर भी न्यायिक सुधार एवं पुलिस सुधार जैसे मुद्दों की अनदेखी रह गई। इससे व्यापार एवं जीवन की सुगमता से जुड़े सुधारों से मिलने वाले व्यापक लाभ पर आघात की आशंका दिखती है। बजट पर सत्ता पक्ष और विपक्ष की प्रतिक्रियाएं स्वाभाविक रूप से वैसी ही रहीं जैसी हर साल रहती हैं। बजट का वास्तविक आकलन तभी संभव है जब उसे खांटी राजनीतिक दृष्टि के बजाय समग्रता में देखा जाए। इस लिहाज से बजट में कुछ ोबदु प्रमुखता से उभरते हुए दिखेंगे। पहला तो यही कि यह बजट भविष्योन्मुखी है। सूचना प्रौद्योगिकी, ड्रोन, एआइ, ब्लाकचेन, डिजिटल करेंसी जैसे कई उभरते चमकदार क्षेत्रों पर जोर यही दर्शाता है। स्वच्छ ऊर्जा पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। ई–गवर्नेस में निवेश बढ़ाने से जीवन गुणवत्ता सुधरने के साथ ही डिजिटल डिवाइड की खाई भी भरेगी। संचार, विनिर्माण, व्यापार, वितरण मनोरंजन से लेकर कृषि और प्रतिरक्षा तंत्र में तकनीक से लाभ उठाने की योजना बनाई गई है। इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर को लेकर प्रयोगधर्मिता और विदेशी विश्वविद्यालयों के संचालन को मंच प्रदान करने के फैसले भी अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने में मददगार होंगे। ये कुछ ऐसे कदम हैं, जिनमें भविष्य की अर्थव्यवस्था को गढ़ने एवं उसे संवारने की पर्याप्त क्षमताएं हैं। बजट हालिया परिस्थितियों को देखते हुए पटरी पर लौट रही आर्थिक गतिविधियों को सहारा देता है। इसमें एमएसएमई से लेकर आतिथ्य सत्कार से जुड़े उद्योगों में निवेश बढ़ाने के उपाय हैं। इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम को आगे बढ़ाया गया है। गति शक्ति मिशन पर गंभीरता से ध्यान दिया गया है। इन कदमों से वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग बढ़ेगी। आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी लागत घटने और इन्वेंट्री यानी भंडारण प्रबंधन में भी सुधार होगा। स्टार्टअप्स, वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी के लिए सुगम की गई राह नवाचार को बढ़ाने एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उत्पादों एवं सेवाओं के विकास को गति प्रदान करेगी। पूंजीगत व्यय में 35 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी कर आवंटन को 7.5 लाख करोड़ रुपये करने से सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि उसका लक्ष्य तेज आर्थिक वृद्धि है। साथ ही राज्यों को भी एक लाख करोड़ के ब्याज मुक्त ऋण का प्रविधान किया है। इससे निजी निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। ऊंची जीडीपी वृद्धि के लिए बड़े स्तर पर निवेश भी जरूरी है। सार्वजनिक–निजी निवेश की दोहरी शक्ति में अर्थव्यवस्था को निरंतर सात से आठ प्रतिशत की सतत वृद्धि के चक्र में दाखिल कराने की क्षमता है। कुछ प्रयासों से बैंकों और निजी क्षेत्र के बहीखाते दुरुस्त हुए हैं। इससे पूंजीगत व्यय को नए सिरे से आगे बढ़ाने में प्राप्त हुई क्षमताओं के बावजूद कुछ हिचक कायम है। ऐसे में सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय बढ़ाने से उनका हौसला जरूर बढ़ेगा। रोजगार का मुद्दा अभी बहुत चुनौतीपूर्ण है। कृषि के बाद कंस्ट्रक्शन यानी निर्माण, बुनियादी ढांचा और विनिर्माण रोजगार प्रदान करने वाले तीन सबसे बड़े क्षेत्र हैं। बजट में सस्ती दरों पर वित्त की व्यवस्था और किफायती मकानों के लिए आवंटन बढ़ाकर कंस्ट्रक्शन क्षेत्र को बड़ा सहारा दिया गया है। अकेले गति शक्ति मिशन में ही रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। सरकार ने गत वर्ष जो पीएलआइ योजना पेश की थी, उसने विनिर्माण क्षेत्र का कायाकल्प कर बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान किए हैं। अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में इलेक्ट्रानिक विनिर्माण क्षेत्र का निर्यात 300 अरब डालर के आंकड़े को पार कर जाएगा। इससे एक करोड़ से अधिक नौकरियां बनेंगी। महंगाई की चुनौती भी इस समय जीडीपी वृद्धि के लिए एक बड़ा जोखिम है। बढ़ती महंगाई आर्थिक वृद्धि से लाभान्वित हुए एक बड़े तबके के लाभ में सेंध लगा सकती है। यही कारण है कि वित्त मंत्री ने राजकोषीय अनुशासन को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराने के साथ ही राजस्व व्यय के बजाय कहीं अधिक उत्पादक पूंजीगत व्यय में वृद्धि को वरीयता दी। बजट प्रस्ताव पारदर्शिता और विश्वसनीयता को भी दर्शाते हैं। कर प्रक्रियाओं को सुगम बनाने एवं करदाताओं में विश्वास जताने की परिपाटी भी कायम रही। जैसे रिटर्न भरने के लिए मिली दो साल की मोहलत यही बताती है कि सरकार को करदाताओं पर पूरा भरोसा है। एक ऐसे समय में जब सरकारी कमाई में तेजी दिख रही है तब मांग बढ़ाने और समाज के वंचित तबकों को सीधी राहत पहुंचाने के लिए खास उपायों के अभाव से जुड़ी आलोचना कुछ हद तक वाजिब लगती है। हालांकि इसमें यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि अभी वैश्विक परिदृश्य डांवाडोल है। महामारी की विदाई नहीं हुई है, देशों में राष्ट्रवाद मुखर होने के साथ ही भू–राजनीतिक तनाव भी चिंता का सबब बना हुआ है। ऐसे में सरकार ने किसी भी आपदा से निपटने के लिए रक्षा कवच तैयार करने का विकल्प चुना। कुछ और चुनौतियां भी मुंह बाएं खड़ी हैं। जैसे किसी अनुबंध के अमल में आने से जुड़ी विश्व के 180 से अधिक देशों की सूची में भारत 168वें स्थान पर है। भारत में किसी परियोजना को सिरे चढ़ाने में औसतन 1,200 से अधिक दिन लगते हैं और लागत मूल अनुबंध से 25 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ जाती है। इस देरी, लागत और न्याय के मोर्चे पर अभाव खटकता है। ये संकेत करते हैं कि न्यायिक तंत्र, नौकरशाही और पुलिस संबंधी सुधार अब अनिवार्य हो चले हैं। उनमें मामूली बदलाव या अपर्याप्त सुधार से काम नहीं चलेगा। इन संस्थानों को संवैधानिक गारंटी के अनुरूप फिर से गढ़ना होगा। जब तक ये उपाय नहीं किए जाएंगे तब तक कारोबारी एवं जीवन को सुगम बनाने के उपाय मूर्त रूप नहीं ले पाएंगे। अमृत काल में जब देश को उन्नति के उच्च पथ पर अग्रसर कर स्वतंत्रता की शताब्दी पूरी होने तक शिखर पर पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है तब बजट इन सुधारों की अनदेखी करता प्रतीत होता है।

फिर भी समग्रता में देखा जाए तो वित्त मंत्री ने मुश्किल माहौल में संतुलित और शानदार बजट पेश किया है।

राजनीति नहीं, देशहित का दूरगामी अमृत बजट

ललित गर्ग

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और कोरोना महामारी से ध्वस्त हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की दृष्टि से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। यह कदम एक ऐसे समय उठाया गया जब राजनीतिक दृष्टि से सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनाव होने जा रहे हैं और उन्हें लघु आम चुनाव की भी संज्ञा दी जा रही है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। कोरोना की संकटकालीन एवं चुनौतीभरी परिस्थितियों में लोककल्याणकारी एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल देने वाला यह बजट अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। इसके माध्यम से समाज के भी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इस बजट से भले ही करदाताओं के हाथ में मायूसी लगी हो, टैक्स स्लैब में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ हो, लेकिन इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आया है वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला है। यह महत्वपूर्ण है कि सरकार ने पूंजीगत व्यय में भारी–भरकम व्यय करने की योजना बनाई उसके साकार होने से अंततः आम आदमी को ही लाभ मिलेगा। इसके साथ–साथ अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। अर्थव्यवस्था को गति देने का काम शहरीकरण की उन योजनाओं को आगे बढ़ाने से भी होगा जिनकी प्रावधान बजट में किया गया है। इस बजट में शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल दिया है, जो इस बजट की विशेषता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023 में पूंजीगत खर्चों में 35.4 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है, इससे रोजगार में वृद्धि होगी। यह बहुत बड़ा फैसला है। वित्त मंत्री ने बजट में क्रिप्टोकरंसी पर भी निवेशकों की उलझन दूर कर दी। उन्होंने इससे हुए मुनाफे पर 30 फीसदी टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा। वित्त वर्ष 2023 में रिजर्व बैंक डिजिटल करंसी लाएगा, इसका ऐलान भी निर्मला सीतारमण ने किया। इन दोनों बातों से लगता है कि सरकार ने क्रिप्टोकरंसी को एक एसेट तो मान लिया है, लेकिन वह इन्हें बढ़ावा नहीं देना चाहती। यहां तक कि समृद्ध तबके को भी दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ के टैक्स पर सरचार्ज घटाकर राहत दी गई है। अस्सी लाख सस्ते घरों के लिये 48 हजार करोड़ का प्रावधान करके निम्न–मध्यम आय वर्ग के लिए हाउसिंग सेक्टर में सौगात दी गई है।

भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। कोरोना महामारी के कारण चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण इस बजट के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने कोरोना महासंकट से बिगड़ी अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत– सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ–साथ किसानों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। हर बार की तरह इस बार भी शहरों के मध्यमवर्ग एवं नौकरीपेशा लोगों को अवश्य निराशा हुई है। इस बार आम बजट को लेकर उत्सुकता इसलिए और अधिक थी, क्योंकि यह कोरोना महासंकट, पडौसी देशों के लगातार हो रहे हमलों, निस्तेज हुए व्यापार, रोजगार, उद्यम की स्थितियों के बीच प्रस्तुत हुआ है। संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक–कल्याणकारी बजट कह सकते हैं। यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रस्तुत यह बजट निश्चित ही अमृत बजट है। जिसमें भारत के आगामी 25 वर्षों के समग्र एवं बहुमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा के अनुरूप ही बजट का फोकस किसानों, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास, रोजगार, युवाओं की अपेक्षाओं, विकास और ग्रामीण क्षेत्र पर रखा है। अपने ढांचे में यह पूरे देश का बजट है, एक आदर्श बजट है। इसका ज्यादा जोर सामाजिक विकास पर है। मुश्किल के इस वक्त में भी मोदी सरकार का फोकस किसानों की आय दोगुनी करने, विकास की रफ्तार को बढ़ाने और आम लोगों को सहायता पहुंचाने पर है। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि–वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन इस बार का बजट चुनाव होने के बावजूद राजनीति प्रेरित नहीं है। स्पष्ट है कि सरकार ने चुनावी राजनीतिक हितों के आगे अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के दूरगामी लक्ष्य पर न केवल ध्यान केंद्रित किया बल्कि यह भी रेखांकित किया कि उसका उद्देश्य 2047 तक भारत को एक समर्थ–सक्षम देश के रूप में सामने लाना है।

गरीब तबके और ग्रामीण आबादी की बढ़ती बेचैनी को दूर करने की कोशिश इसमें स्पष्ट दिखाई देती है जो इस बजट को सकारात्मकता प्रदान करती है। इस बजट में किसानों की बढ़ती परेशानियों को दूर करने के भी सार्थक प्रयत्न हुए हैं, जिसे मेहरबानी नहीं कहा जाना चाहिए। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने न्यूनतम समर्थन मूल्य अर्थात एमएसपी जारी रहने का उल्लेख करते हुए जिस तरह यह रेखांकित किया कि इस मद में 2.37 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, वह यही बताता है कि सरकार ने उस दुष्प्रचार की हवा निकालना आवश्यक समझा जिसके तहत कुछ कथित किसान नेताओं के साथ कई विपक्षी नेता यह झूठ फैलाने में लगे हैं कि यह सरकार एमएसपी खत्म करने का इरादा रखती है। इस पर हैरानी नहीं कि विपक्ष को बजट रास नहीं आया। वह सदैव इसी तरह की नकारात्मक प्रतिक्रिया से लैस दिखता है और यही कारण है कि जनता उसकी आलोचना पर उतना ध्यान नहीं देती जितना उसे देना चाहिए। खेती और किसानों की दशा सुधारना सरकार की प्राथमिकता में होना ही चाहिए, क्योंकि हमारा देश किसान एवं ग्रामीण आबादी की आर्थिक सुदृढ़ता और उनकी क्रय शक्ति बढ़ने से ही आर्थिक महाशक्ति बन सकेगा। और तभी एक आदर्श एवं संतुलित अर्थव्यवस्था का पहिया सही तरह से घूम सकेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था संवारने की दिशा में इस बजट को मील का पत्थर कहा जा सकता हैं।

इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई है और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।

चौरी चौरा जनाक्रोश के घटनाक्रम के सही स्वरूप को समझने का समय

प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

निश्चित ही इतिहास और इतिहासकार न्याय व न्यायाधीश की भूमिका में नहीं हो सकता, परंतु न्यायप्रिय होना उसका मौलिक धर्म है। चौरी चौरा को शायद इसी पथ की आवश्यकता है। यदि इस घटना के विभिन्न पक्षों को देखा जाए तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह एक ऐसी स्थानीय घटना थी जिसने राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास पर व्यापक प्रभाव डाले। वर्ष 1857 के प्रयास के पश्चात भारतीयों ने निरंतर अपनी मातृभूमि को मुक्त कराने के लिए अनेक आहुतियां दीं। साम्राज्यवादी इन बलिदानों को अपने दस्तावेजों में उग्रवादी या भारतीय हत्यारा कहें तो अचंभा नहीं। पश्चिमी विद्या से उपजा भारतीय इतिहास लेखन इनके प्रयासों और समर्पण को अनदेखा करे तो उनकी ही दृष्टि और लेखनी में ऐसा क्यों? समझने की आवश्यकता है। जैसे इनके अनुसार जार्ज वाशिंगटन के साथ रहे क्रांतिकारी महान थे, परंतु भारतीय जन का मुखर प्रतिरोध आतंकवाद था। स्वतंत्रता उपरांत की मार्क्सवादी अवधारणा ऐसे बलिदानों को व्यक्तिवादी नायकवाद कहते हुए आगे बढ़ जाएं और उपाश्रयी इतिहास लेखन इन घटनाओं का जातिगत विभाजन कर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के कैंब्रिज स्कूल की विचारधारा को संतुष्ट कर जाएं, वस्तुतरू चौरी चौरा और ऐसी अन्यान्य घटनाएं इस हेतु अभिशप्त हैं। चौरी चौरा को यदि राष्ट्रीय फलक पर समझना है तो जलियांवाला बाग जाना होगा। एक तथाकथित सुसंस्कृत राष्ट्र ने निहत्थे भारतीयों का कत्लेआम किया। जनाक्रोश राष्ट्रीय हुआ और असहयोग आंदोलन को इसके कारण आधार मिला। चौरी चौरा का आक्रोश जलियांवाला बाग की घटना का प्रत्युत्तर था, परंतु दुर्भाग्यवश घटना ने असहयोग आंदोलन को ही समाप्त कर दिया। विवेचना का प्रश्न है कि यह दुर्भाग्यवश था या एक सिद्धांत की अवसरवादिता। समकालीन प्रतिक्रिया जो हुई, शायद उसने चौरी चौरा की घटना के इतिहास लेखन को प्रभावित किया। बारदोली प्रस्ताव के पूर्व ही गोरखपुर खिलाफत कांग्रेस समिति ने चौरी चौरा पर निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए घटना से स्वयं को असंबद्ध किया। परंतु वास्तविकता यह थी कि घटना में अधिकांशतरू असहयोग से जुड़े हुए स्वयंसेवक थे जो ग्रामीण अंचल पर मदिरा और मांस के बहिष्कार को आगे बढ़ा रहे थे। एक फरवरी 1922 को ऐसे ही एक स्वयंसेवक भगवान अहीर की चौरी चौरा के तत्कालीन दारोगा गुप्तेश्वर सिंह के द्वारा पिटाई कर दी गई थी, क्योंकि वह बाजार में मांस की बिक्री का विरोध कर रहा था। अर्थात मूल रूप से गांधी जी के आह्वान पर चौरी चौरा में यह असहयोग का एक रूप था। तीन फरवरी, 1922 तक के इस घटनाक्रम को चौरी चौरा का प्रथम समय खंड काल यानी फर्स्ट टाइम लाइन माना जा सकता है। चौरी चौरा का द्वितीय समय खंड काल यानी सेकेंड टाइम लाइन चार फरवरी, 1922 से प्रारंभ माना जा सकता है, जब स्वयंसेवकों के दल ने भगवान अहीर की पिटाई के खिलाफ थाने तक जुलूस ले जाने का कार्य किया। यह सर्वमान्य है कि जुलूस के स्वयंसेवक न ही किसी को मारने की योजना से गए थे और न ही उनकी मंशा थाना को जलाने की थी। घटनाक्रम कुछ जलियांवाला बाग की तरह ही हुआ। निहत्थों पर प्रशासन द्वारा पहले लाठीचार्ज किया गया, तत्पश्चात उन पर गोलीबारी की गई। वाचिक इतिहास के तथ्यों से पता चलता है कि इस गोलीबारी में तीन स्वयंसेवक मारे गए, जिनका जिक्र सरकारी रिकार्डों में नहीं किया गया। तदुपरांत भीड़ उग्र हुई और चौरी चौरा के थाने और सिपाहियों को जलाने की घटना घटी। परंतु उग्र हुए भारतीयों ने अपने विवेक का परिचय दिया और थानाध्यक्ष गुप्तेश्वर सिंह की गर्भवती पत्नी को सुरक्षित जाने का मार्ग दिया। चौरी चौरा का तीसरा समय खंड काल यानी थर्ड टाइम लाइन गोरखपुर सत्र न्यायालय में दाखिल वाद से प्रारंभ माना जा सकता है, जिस समय चौरी चौरा की घटना से जुड़े जनों के साथ न ही कांग्रेस संगठन के रूप में खड़ी थी, न ही अन्य कोई। यह आश्चर्य का विषय इसलिए नहीं, क्योंकि कांग्रेस प्रारंभ से ही बलिदानियों की इस प्रकृति के औपनिवेशिक विरोध का कभी पक्षधर नहीं रही थी। चापेकर बंधुओं की शहादत से, भगत सिंह की शहादत तक, उसने स्वयं को असंबद्ध ही रखा। यहां पर उद्धृत करना आवश्यक है कि चापेकर बंधु के पक्ष में एकमात्र समकालीन समाचार पत्र श्कालच्य के संपादक एसवी परांजपे ने चापेकर बंधुओं के पक्ष में लिखा, परिणामस्वरूप परांजपे को कांग्रेस के अधिवेशनों में आने से दादा भाई नौरोजी द्वारा रोक दिया गया। ऐसे अनेक तथ्य हैं जिनके आधार पर यह समझा जा सकता है कि आखिर चौरी चौरा जनाक्रोश की प्रस्तुति इतिहास में सही अर्थों में नहीं की गई। इसके पश्चात प्रारंभ होता है चौरी चौरा का चतुर्थ समय खंड काल, वह इसलिए कि 172 लोग फांसी नहीं चढ़े, शहादत की यह संख्या 19 ही रह गई। सत्र न्यायालय के निर्णय उपरांत एक व्यक्ति जो इन जनों के समर्थन में प्रत्यक्ष रूप से आते हैं, वह हैं बाबा राघवदास। मूलतरू महाराष्ट्र के निवासी और एक संत के रूप में पूर्वांचल द्वारा अपनाए गए। शायद यही भारतीयता का मूल तत्व है, आप कहां के हैं यह मायने नहीं, आपके कार्य एवं आप समाज के लिए समर्पित हैं तो भारतीय समाज आपको बिना किसी भेदभाव के स्वीकार करता है। बाबा राघवदास ने चौरी चौरा के सत्र अदालत के निर्णय का खुला विरोध किया एवं चंदा एकत्रित कर महामना से संपर्क कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वाद दाखिल कराया। महामना द्वारा चौरी चौरा का मुकदमा लड़ा गया और 172 जनों को हुई फांसी की सजा को 19 जनों में उच्च न्यायालय ने परिवर्तित किया। प्रश्न यह उठता है कि जिस प्रकार से औपनिवेशिक तंत्र कार्य करता था और चौरी चौरा की घटना को लेकर बाबा राघवदास एवं महामना जैसे देशभक्त भी उसी प्रकार की प्रतिक्रिया करके मौन रहते, जैसे अन्य के द्वारा की गई थी तो वस्तुतरू आज चौरी चौरा में इन बलिदानियों की सूची 19 की न होकर 172 की होती। इतिहास के इस सत्य और श्शायदच्य को चिन्हित कर पाना चौरी चौरा के संदर्भ में लगभग असंभव है। समझने की आवश्यकता है कि चौरी चौरा का कथानक किन स्तंभों पर खड़ा किया गया? उत्तर स्पष्ट है– अधिकांशतरू इस प्रकार की घटनाएं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के घटनाक्रम में आंदोलन की मर्यादा को क्षीण करने वाली घटनाओं के रूप में दर्शाई गई हैं। क्या यह जलियांवाला बाग का प्रतिरोध नहीं था? क्या राष्ट्रीय आंदोलन का खंड काल जलियांवाला बाग से प्रारंभ हो चौरी चौरा तक एक नया अध्याय नहीं लिख रहा था? आवश्यकता है इतिहास के इस क्रम को जोड़कर देखने की। जलियांवाला बाग एक तथाकथित सुसंस्कृत राज्य का हत्याकांड था और चौरी चौरा उस तथाकथित सुसंस्कृत राज्य को प्रत्युत्तर। यदि 1922 की घटना न्यायिक और नैतिक अपराध की श्रेणी में मात्र इसलिए आती है कि यह अहिंसा के सिद्धांतों को एक सीमा के पश्चात अस्वीकार कर देती है, क्योंकि यहां राज्य अपनी बर्बरता का निरंतर परिचय देता रहता है।

यदि उच्च न्यायालय में महामना द्वारा किए गए तर्कों पर ध्यान केंद्रित किया जाए तो वह इसी तथ्य पर आधारित है कि स्वयंसेवक थाना जलाने अथवा हत्या के इरादे से नहीं आए थे अर्थात घटना इरादतन नहीं थी और जो घटना घटी उस में तत्कालीन जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका कारक तत्व थी। इसके अतिरिक्त, यदि हिंसा का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण सिद्धांत था तो आजाद हिंद फौज के मुकदमे में भारतीयों के बचाव में वे लोग क्यों अत्यंत तत्पर हो गए जो हिंसा के पुरजोर विरोधी थे और नेता जी की भूमिका एवं वैचारिकी से असहमत थे। उत्तर है देश का ज्वार और नेता जी एवं आजाद हिंद फौज की लोकप्रियता जोकि शीघ्र ही स्वतंत्र देश की राजनीतिक स्थितियों पर अपना प्रभाव छोड़ सकती थी। आवश्यकता है चौरी चौरा को उसके खंड कालों में समझा जाना, जिससे यह मात्र एक स्थानीय घटना न होकर, राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा को परिवर्तित करने वाले एक अति महत्वपूर्ण घटना की तरह समझा जा सके। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि इस घटना के पश्चात कांग्रेस असहयोग के मुद्दे को लेकर लगभग दूसरी बार बंटवारे के मुहाने पर आकर खड़ी हो गई थी। इस घटना पर कांग्रेस और महात्मा गांधी की प्रतिक्रिया सर्वविदित है। इसके अतिरिक्त यदि समकालीन समाचार पत्र–पत्रिकाओं में चौरी चौरा की घटना पर प्रतिक्रिया देखी जाए तो वह भी घटना की आलोचना से परिपूर्ण है। उदाहरण के लिए श्अभ्युदयच्य साप्ताहिक पत्र के 11 फरवरी, 1922 के अंक में शीर्षक दिया गया– खेदजनक और भीषण हत्याकांड– दो दारोगा और 15 कांस्टेबलों की हत्या। इसके अलावा –द लीडरच्य ने अपने आठ फरवरी, 1922 के अंक में लिखा– हिंसा और आगजनी के तांडव के बीच भीड़ ने बेहद सुनियोजित तरीके से थाना पर हमला करते हुए ।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन और स्वाधीनता के लिए भारतीयों का भगीरथ प्रयास अंतर्निहित इतिहास ही माने जा सकते हैं। इस संपूर्ण घटनाक्रम का चित्रफलक इतना व्यापक है कि वैश्विक इतिहास लेखन में भारतीय स्वाधीनता की गाथा सर्वाधिक लोकप्रिय है, परंतु विभिन्न प्रकार के इतिहास लेखनों की प्रवृत्तियों ने स्वाधीनता की गाथा की जो पटकथा प्रस्तुत की, उसके फलस्वरूप देश की स्वाधीनता में जिन्होंने सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, उन्हें और उनकी भागीदारी को न्याय नहीं मिला।

एक नजर

अग्निकाल में वनों/वन्य जीवों की अग्नि से सुरक्षा/संरक्षण हम सभी का पुनीत कर्तव्य है– डीएफओ मनीष सिह

संवाददाता

बहराइच । जनपद बहराइच प्रदेश में वन सम्पदा से आच्छादित मुख्य जनपदों में से एक है जिसमें बहुमूल्य प्रजाति के साल, शीशम एवं सागौन आदि के वृक्षों के साथ–साथ अनेकानेक वन्य जीवों का भी प्राकृतवास है। यह जानकारी देते हुए प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच मनीष सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में 15 फरवरी से 15 जून 2022 तक का समय अग्निकाल का है। उन्होंने बताया कि अग्निकाल में वनों/वन्य जीवों की अग्नि से सुरक्षा/संरक्षण हम सभी का पुनीत कर्तव्य है जिसके लिए आवश्यक है कि वनों को अग्नि से बचाया जाये एवं वनों में माचिस, बीड़ी, मिट्टी का तेल आदि अग्नि सम्बन्धी वस्तुओं तथा वाहनों आदि का अनाधिकृत प्रवेश पूर्णतया वर्जित हों। डी.एफ.ओ. श्री सिंह ने आमजन से अपील की है कि हम सभी यह दृढ़संकल्प शपथ लें कि वनों/वन्य जीवों की अग्नि से सुरक्षा को परमधर्म से राष्ट्रधर्म मानते हुए वनों एवं उसमें प्राकृतवास करने वाले वन्य जीवों की प्रत्येक दशा में रक्षा करेंगे। वनाग्नि पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रभाग स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रूम का दूरभाष नम्बर 05252 233160 तथा प्रदेश मुख्यालय का हेल्पलाइन नम्बर 05252–2207951 है। श्री सिंह ने सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों व जन सामान्य वनाग्नि की सूचना प्रभाग स्तर तथा प्रदेश मुख्यालय के हेल्पलाइन नम्बर पर दे सकते हैं।

भाजपा प्रत्याशी के कार्यालय का कैबिनेट मन्त्री ने विधि विधान से हवन पूजन किया शुभारंभ

संवाददाता

कैसरगंज(बहराइच) कैबिनेट मन्त्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कैसरगंज विधानसभा कार्यालय का उद्घाटन पूरे विधि विधान से हवन पूजन करके किया।

कार्यक्रम के पश्चात पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मन्त्री श्री वर्मा ने कहा कि भाजपा पुनरू भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है।

कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से अपने दायित्वो के निर्वहन मे जुटे और भारी संख्या मे लोगो को मतदान के लिए प्रेरित करे। उन्होने भाजपा प्रत्याशी गौरव वर्मा को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। इस मौके पर ,जिला प्रभारी नीरज सिंह, गौरव वर्मा, सुबेद वर्मा, पूर्व प्रमुख रामराज वर्मा, मण्डल अध्यक्ष शिवसहाय सिंह,पूर्व प्रधान कौशलेंद्र चौधरी, विस्तारक सुधीर शुक्ला, आदि मौजूद रहे।

नव दिवसीय महारुद्र यज्ञ कलश यात्रा सन्त समागम का आयोजन

फखरपुर ब्लॉक के गजाधरपुर स्थित मनकामेश्वर राम जानकी हनुमान एवं नव दुर्गा मंदिर में नौ दिवसीय महारुद्र यज्ञ का आयोजन किया जाएगा ।जिसमें श्रीमद् भागवत कथा कलश यात्रा के साथ अयोध्या, हेतमपुर, बाराबंकी ,बहराइच,कलकत्ता,श्रावस्ती, नेपाल समेत अनेको जगहों से आए संत महात्मा के दर्शन एवं प्रवचनो का आयोजन होगा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बसंत पंचमी के दिन हवन पूजन के पश्चात श्रीमद् भागवत कथा का प्रारंभ होगा ।तथा 12फरवरी को कलश यात्रा निकाली जाएगी जो गायत्री कुंज आश्रम से जल भर कर वापस गजाधरपुर आएगी 13फरवरी को वेदी निर्माण देव पूजन 14फरवरी को हवन प्रवचन गायत्री परिवार द्वारा किया जाएगा दिप यज्ञ 15फरवरी को दीप प्रज्वलित महायज्ञ एवं परिक्रमा 16 फरवरी को महारुद्रयज्ञ की पूर्णाहुति एवं भभूति वितरण के साथ अखण्ड भण्डारे का आयोजन एवं मेले का आयोजन होगा कथावाचक पण्डित पुत्ती लाल पाठक महाराज,यज्ञाचार्य श्री सीता राम दास महराज रामघाट अयोध्या, प्रबन्धक मोरजधवज दास उर्फ नान बाबा ने बताया ब्रम्हलीन महात्मा श्री राम किशोर दास जी महाराज परमहंस द्वारा शुभरम्भ किया गया यह 45वा महारूद्र यज्ञ है इसमें मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 श्री जगदीश दास महराज बड़ी छावनी अयोध्या,महामंडलेश्वर रवि गिरी जी महाराज बहराइच राम प्रसाद आचार्य अयोध्या,नरायण दास महराज हेतमा पुर के साथ नेपाल आदि तमाम जगहों से सन्तो को बुलाया गया है ।कामता मिश्रा सन्त रमाकांत दास मनोज सिंह जगदीश वर्मा जियालाल रामू गौर गुड्डू गौर सोहन लाल गुप्ता भुनेस गौड़, नंदू गुप्ता शिवकुमार कौशल रिंकू ननकू समेत समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से महायज्ञ का आयोजन किया जाएगी।

तीसरे दिन तीन प्रत्याशियों नामांकन कराया

सपा से मुकेश श्रीवास्तव, भारतीय कमियुनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से कुलेराज यादव,इण्डियन नेशनल कांग्रेस से अब्दुल मोहम्मद सिद्दीकी ने कराया नामांकन

संवाददाता

बहराइच । विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 अन्तर्गत नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 283–नानपारा से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया के कुलेराज यादव व इण्डियन नेशनल कांग्रेस से अब्दुल मोहम्मद सिद्दीकी तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 287–पयागपुर से समाजवादी पाटी के मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया है। जबकि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 282–बलहा (अ.जा.), 284–मटेरा, 285–महसी, 286–बहराइच व 288–कैसरगंज के लिए किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया है।

प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों के चुनाव संबंधी विज्ञापन छापने के संबंध में दिशानिर्देश जारी

संवाददाता

बहराइच । राजनैतिक दलों या निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा दिये जाने वाले विज्ञापनों के मीडिया में जाने से पहले पूर्वदर्शन, संवीक्षण और सत्यापन के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति गठित की गयी है। विज्ञापनों के प्रमाणन के लिए गठित कमेटी के प्रमाणन के बाद ही विज्ञापन दिया जा सकेगा। इलेक्ट्रानिक मीडिया में सोशल मीडिया रेडियो आदि भी शामिल हैं। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला सूचना कार्यालय, बहराइच में मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मॉनीटरिंग सेल गठित किया गया है। समिति विज्ञापनों का प्रमाणन करने के साथ ही पेड न्यूज़ के मामलों का अनुवीक्षण करेगी। विज्ञापनों के प्रमाणन और पेड न्यूज़ पर रोक लगाने के कार्यो के निष्पादन के साथ ही मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अधीन मीडिया सम्बन्धी विनियमन के प्रवर्तन में सहायता करेगी। मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति सभी प्रकार के मीडिया, समाचार–पत्र, प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, केबल नेटवर्क, इन्टरनेट, मोबाइल नेटवर्क आदि की बारीकी से इस मकसद से जॉच करेगी कि कोई न्यूज़, पेड न्यूज़ तो नहीं है। इलेक्ट्रानिक मीडिया में विज्ञापनों का अनुवीक्षण यह देखने के लिए किया जाएगा कि उसे समिति के प्रमाणन के बाद ही प्रसारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के परिप्रेक्ष्य में पेड न्यूज़ प्रकरणों को परखने एवं विज्ञापन केबिल नेटवर्क, इलेक्ट्रानिक, प्रिन्ट मीडिया अथवा रेडियो या किसी भी स्वरूप में होने की दशा में उसकी संवीक्षा तथा प्रमाणीकरण कार्य के लिए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में गठित ''मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मानीटरिंग सेल'' में मुख्य राजस्व अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, प्रभारी/वरिष्ठ तकनीशियन, दूरदर्शन केन्द्र, बहराइच चन्द्र शेखर चौधरी, अंग्रेज़ी दैनिक समाचार पत्र टाइम्स ऑफ इण्डिया के संवाददाता बिपिन चन्द्र अग्रवाल सदस्य तथा अपर जिला सूचना अधिकारी गुलाम वारिस सिद्दीकी समिति के सदस्य सचिव होंगे। जनपद के लिए गठित समिति 'पेड–न्यूज़' प्रकरणों को परखने एवं विज्ञापन के प्रमाणीकरण का कार्य करेगी। इसके अन्तर्गत विज्ञापन केबिल नेटवर्क, इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया अथवा रेडियो या किसी भी स्वरूप में होने की दशा में उसकी समीक्षा तथा प्रमाणीकरण का कार्य गठित समिति द्वारा किया जायेगा। प्रमाणन के लिए आवेदक यदि किसी राजनैतिक दल का सदस्य है, तो ऐसे विज्ञापन हेतु 48 घंटे पूर्व आवेदन करना होगा। यदि वह स्वतन्त्र उम्मीदवार है, तो उन्हें 96 घंटे पूर्व आवेदन करना होगा। आवेदन का प्रारूप और प्रकिया निर्वाचन व्यय अनुवेक्षण की निर्देश पुस्तिका में विहित प्राविधानों के अनुरूप होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक कि मौत लोगों ने हत्या की जतायी आशंका, एसपी ने घटना स्थल का लिया जायजा

संवाददाता

सोनभद्र। कस्बे में स्थित एक मकान में बुधवार की रात घर में सो रहे सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मी के पुत्र राजू श्रीवास्तव (32) की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। पत्नी का आरोप है कि रात में घर में घुसे तीन नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें और पति को मारा पीटा और पति के चेहरे को तकिए से दबाकर, दम घोंटकर हत्या कर दी। चेहरे पर चोट और तकिया से दबाए जाने के निशान भी मिले हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी दिया गया है। मामले में एक सभासद सहित तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। वहीं पत्नी बच्चों की मौजूदगी में हत्या के बावजूद सूचना देर से दिए जाने को लेकर, पुलिस परिवार के लोगों की भी भूमिका संदिग्ध मानकर चल रही है। कोतवाली पुलिस, क्राइम ब्रांच, फॉरेंसिक टीम, एएसपी मुख्यालय विनोद कुमार, क्षेत्राधिकारी राम अशीष यादव के साथ डीआईजी/एसपी अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने घटनास्थल का मुआयना किया और घटना के जल्द खुलासे के निर्देश दिए। वहीं फॉरेंसिक टीम की तरफ से कई सैंपल जांच के लिए उठाए गए।

बता दें कि दुद्धी ब्लॉक क्षेत्र के फुलवार गांव निवासी ज्वाला प्रसाद स्वास्थ्य विभाग में मलेरिया सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे और सेवानिवृत्त होने के बाद वार्ड छह में पशु अस्पताल के पास तीन मंजिला मकान बनवाया हुआ थे। तीन बेटों में मझला रामेन्द्र श्रीवास्तव अपने परिवार के साथ निचले तल पर रहकर लखोटिया कम्प्यूटर सेंटर चलता था। पिछले साल कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कोविड की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। वहीं उनका बड़ा बेटा ऊपरी तल और छोटा बेटा बीच वाले मंजिल पर शिफ्ट थे। बड़ा बेटा ज्यादातर फुलवार गांव में ही रहता है। छोटा बेटा राजीव श्रीवास्तव (32) परिवार और बच्चों के साथ दुद्धी में ही स्थाई रूप से निवास कर रहा था।

उधर, घटना स्थल का मुआयना करने पहुंचे पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि घटना के हर पहलू से जांच कराई जा रही है। आधी रात हुई घटना की सूचना काफी देर से पुलिस को दी गई। पत्नी बच्चों की मौजूदगी में हत्या होने के बाद सूचना में अत्यधिक विलंब परिस्थितियों को संदिग्ध बना रहा है। अभी तहरीर नहीं मिली है। घटना के जल्द खुलासे के निर्देश दिए गए हैं। बताते चलें कि कुछ इसी तरह के रहस्यमयी अंदाज में हाल ही में पीजी कॉलेज के एक प्रोफेसर की भी हत्या कर दी गई थी। कुछ अंतराल के बाद ही रहस्यमई तरीके से की गई दूसरी हत्या ने नगर में हड़कंप की स्थिति पैदा कर दी है।

एसडीएम व तहसीलदार का निर्देश बेअसर, होलीका स्थल पर किया जा रहा अवैध अतिक्रमण

संवाददाता

सोनभद्र। सनातन परंपरा का निर्बाध लगभग सैकड़ों वर्षो से होलिका दहन स्थल पर कतिपय लोगों द्वारा कब्जा किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। जिसको ध्यान में रखकर उप जिलाधिकारी व तहसीलदार दुद्धी के सख्त निर्देश के बावजूद कब्जाधारियों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। इस तरह के कार्य से धार्मिक भावनाओं को आहत करने से आक्रोशित रामलीला कमेटी के महामंत्री आलोक कुमार अग्रहरी व संरक्षक सहित अधिवक्ता नंदलाल अग्रहरि एडवोकेट, रामलोचन तिवारी एडवोकेट, प्रभु सिंह एडवोकेट,शिव शंकर गुप्ता एडवोकेट, शंभू रवानी एडवोकेट, शंभू पांडे एडवोकेट, अजय धनेंद्र जयसवाल,आदि गणमान्य लोग ने गुरूवार को मौके पर पहुंच कर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 25 व 26 के परिपेक्ष में सक्षम अधिकारी के निर्देश के बावजूद निर्माण कार्य के जाने को बलपूर्वक रोके जाने साथ ही क्षेत्रीय लेखपाल की भूमिका पर पश्नचिन्ह लगाते हुए निर्माण कार्य रोके जाने की मांग किया हैं।

ध्यातब्य हो कि आस्था का प्रतिक होलिका दहन होने के कारण सामाजिक धार्मिक संगठन के लोग आक्रोश में है और होलिका दहन मार्ग को साजिश के तहत पूर्ण रूप से बंद सक्षम अधिकारी के निर्देश के बावजूद करने से जनमानस की भावनाएं आहत हो रही हैं। लोगों ने चिंता जाहिर किया है कि आखिर किसके सह पर उच्चाधिकारियों के आदेश का अनुपालन नहीं हो पा रहा है। सूत्रों की मानें तो कतिपय लोग निजी स्वार्थ में ओछी राजनीति कर जनमानस की भावनाओं की उपेक्षा कर रहे हैं। जिससे जनमानस में भयंकर रोष व्याप्त है। लोगों ने शासन–प्रशासन का इस ओर ध्यानाकार्षण कराते हुए अविलंब इस मामले को संज्ञान में लेने की मांग किया है जिससे अवैध निर्माण कार्य तत्काल बंद हो सके।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निर्वाचन व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक

संवाददाता

बहराइच । स्थानीय प्राधिकारी सामान्य निर्वाचन–2022 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त प्रभारी व सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में निर्देश दिया कि आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार दोनों सामान्य निर्वाचन हेतु सभी तैयारियों समयबद्ध तरीके पूर्ण कर ली जाए। डॉ. चन्द्र ने निर्देश दिया कि स्थानीय प्राधिकारी तथा विधानसभा निर्वाचन के लिए सभी मतदान केन्द्रों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं का पुनः सत्यापन कर आयोग की मंशानुरूप सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध करायी जायें। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन के सम्बन्ध में सौपी गयी जिम्मेदारियों को पूरा करने में अपने–अपने अनुभव का भी फायदा उठायें। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को बताया कि 13–बहराइच स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र बहराइच/श्रावस्ती के सामान्य निर्वाचन 2022 के लिए जनपद बहराइच में क्षेत्र पंचायत भवन मिहींपुरवा, नवाबगंज, रिसिया, शिवपुर, बलहा, महसी, तेजवापुर, फखरपुर, कैसरगंज, जरवल, हुजूरपुर, चित्तौरा, पयागपुर एवं विशेश्वरगंज तथा तहसील कार्यालय भवन बहराइच कुल 15 मतदान केन्द्र होंगे। राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों ने मतदान केन्द्रों पर सहमति व्यक्त की गयी। डीएम ने सम्बन्धित ई.ओ. व बीडीओ को निर्देश दिया कि मतदान केन्द्रों पर समय से आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित करायें।उ इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना, मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अशोक कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी तथा भारतीय जनता पार्टी से श्रवण कुमार व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से सिद्धनाथ श्रीवास्तव एडवोकेट सहित अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

एनसीएल सीएसआर-किसानों के द्वार, आधुनिक खेती व आय बढ़ाने पर हुई चर्चा

संवाददाता

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड(एनसीएल) की मुहिम किसानगंगा के तहत, एनसीएल–आईआईटी बीएचयू इंक्यूबेशन सेंटर की टीम ने गुरुवार को बिरकुनियां व आस पास के किसानों के घर घर जाकर खेती–बाड़ी से संबन्धित उनकी समस्याओं पर चर्चा की। बुधवार को भी टीम ने बिरकुनियां गाँव में स्थित एनसीएल सेटेलाइट सेंटर पर स्थानीय किसानों की संगोष्ठी का आयोजन किया था जिसमें स्थानीय किसानों ने अपनी समस्याएँ बताई थीं।

इस दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम के दौरान टीम ने कृषि पर निर्भर आदिवासी किसानों की जमीनी हकीकत, कृषि संबंधी समस्याओं तथा उनके खेती के ज्ञान को बेहतर ढंग से समझा। इस दौरान किसानों के साथ मौसमी फसलों, स्थानीय कृषि व वन उत्पादों, औसत कृषि उपज, कुल लागत, कृषि उपज को बाज़ार तक पहुंचाने, किसानों की आय में वृद्धि, सिंचाई के स्रोत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गयी।

किसानों के साथ मंथन के उपरांत प्राप्त जानकारियों का विश्लेषण करने के बाद उन्हें बिरकुनिया एग्री क्लीनिक की मदद से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, पौधों तक पोषक तत्वों की आपूर्ति सुनिश्चित कर उपज बढ़ाने, कीट प्रबंधन, फसल की गुणवत्ता व बेहतर रखरखाव जैसे महत्वपूर्ण कृषि संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन व संभव तकनीकी मदद दी जाने की योजना है। साथ ही आधुनिक तकनीकी जैसे ड्रोन का खेती में उपयोग, कृषि विशेषज्ञों की सलाह,एकीकृत कृषि मॉडल के विकास, खाद्य प्रसंस्करण इत्यादि के माध्यम से किसानों आय बढ़ाने के प्रयास भी किए जाएँगे द्य मुहिम किसानगंगा के तहत प्रत्यक्ष रूप से कृषि उत्पादों को बाजार से जोड़ने का प्रयास भी चल रहा है। एनसीएल "किसानगंगा" मुहिम के तहत आस पास के गरीब व आदिवासी किसानों को आधुनिक व सतत कृषि प्रथाओं में प्रशिक्षित कर रही है। एनसीएल सेटेलाइट सेंटर पर समय समय पर गांव के किसानों और महिलाओं को जैविक खेती, कृषि उत्पादों की पैकेजिंग, मार्केटिंग, खाद्य प्रसंस्करण इत्यादि का निःशुल्क प्रशिक्षिण दिया जाता है। इस सेंटर में वीडियो कान्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध है जहां से स्थानीय किसान देश के प्रतिष्ठित कृषि विशेषज्ञों से जुड़कर कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एनसीएल के निदेशक(वित्त एवं कार्मिक) राम नारायन दुबे ने बिरकुनिया सेंटर का दौरा कर मुहिम किसानगंगा को आगे बढ़ाने हेतु दिशा निर्देश दिये थे।

पैरामिलेट्री फोर्स के ठहरने की व्यवस्था बनाने हेतु स्कूल के प्रबन्धक व प्राचार्यो के साथ की बैठक

संवाददाता

सोनभद्र। विधान सभा सामान्य निर्वाचन, 2022 में जनपद में आने वाली पैरामिलेट्री फोर्स के ठहरने की व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु स्कूल के प्रबन्धक, प्राचार्य, प्रधानाचार्य सहित सम्बन्धित के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश सिंह की अध्यक्षता में बैठक की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित स्कूल के प्रबन्धक, प्राचार्य, प्रधानाचार्य को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय में जो बेसिक व्यवस्थाएं हैं, जैसे शौचालय, पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, साफ–सफाई आदि की व्यवस्थाएं पैरामिलेट्री फोर्स के आगमन के पूर्व पूर्ण कर ली जाये, जिससे कि जनपद में फोर्स के आगमन पर किसी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़ें। उन्होंने नगर पालिका परिषद/नगर पंचायतों अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके क्षेत्र के अन्तर्गत जो भी विद्यालय आते हैं, वहां पर साफ–सफाई की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाये। इसी प्रकार से जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जो विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं, वहां पर सफाई कर्मियों के माध्यम से साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये और जहां पर पीने के पानी की समस्या हो, वहां पर टैंकर के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। उन्होंने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को वह विद्यालयों में विद्युत आपूर्ति के व्यवस्था के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर लें और यह सुनिश्चित करें कि फोर्स के ठहराव के दौरान विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित कोई समस्या न होने पायें। इसी प्रकार से उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि फोर्स के ठहराव के दौरान गैस सिलेण्डर के आपूर्ति के सम्बन्ध में नोडल अधिकारी नामित कर दें, जिससे किसी प्रकार की समस्या न होने पायें। बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि जनपद में पैरामिलेट्री फोर्स की 88 कम्पनियां लगभग 9 हजार जवानों का आगमन 03 या 04 मार्च,2022 को होगा। उन्होंने सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी से कहा कि अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर जिन विद्यालयों में पैरामिलेट्री फोर्स को रूकना है, उस विद्यालय का निरीक्षण समय से कर लें और जो भी पैरामिलेट्री फोर्स के ठहरने की आवश्यक व्यवस्थाओं को निर्धारित समय से पहले पूर्ण करा लें। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश, विद्यालयों के प्रबन्धक, प्राचार्य, प्रधानाचार्य सहित सम्बन्धित क्षेत्रों के पुलिस क्षेत्राधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

एनसीएल जयंत टीम ने बैगा बस्ती में स्कूली बच्चों का बढ़ाया हौसला

संवाददाता

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड(एनसीएल) के जयंत क्षेत्र की सीएसआर टीम ने बुधवार को 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अंतर्गत, मुडवानी बैगा बस्ती के अंतर्गत आने वाले शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों से स्वच्छता, पोषण, नियमित रूप से विद्यालय आने एवं कोविड से बचाव इत्यादि विषयों पर संवाद किया।इसी क्रम में टीम ने नियमित रूप से विद्यालय आने वाले 20 बच्चों का हौंसला बढ़ाते हुए पुरस्कृत भी किया जिससे अन्य बच्चों को भी मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा मिल सके। यही नहीं, टीम ने विद्यालय में पढ़ रहे 62 बच्चों को स्कूल बैग का वितरण भी किया।

सरसवाह राजा में जरूरतमंदों को बाटे कंबल

संवाददाता

सोनभद्र। एनसीएल के जयंत क्षेत्र में बीते बुधवार को सीएसआर के तहत सरसवाह राजा में कंबल वितरण शिविर का आयोजन किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में 100 से अधिक संख्या में जरूरतमन्द बुजुर्ग महिलाएं, पुरूष, एवं दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। गौरतलब है कि एनसीएल की विभिन्न परियोजनायें आस पास के ग्रामीण जनों, बच्चों एवं गर्भवती व धात्री महिलाओं के लिए समय–समय पर स्वास्थ्य व पोषण शिविर के आयोजन के साथ ही खाद्य व अन्य राहत सामग्री का वितरण भी करती हैं।

स्नातक सेमेस्टर वार्षिक परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित

संवाददाता

सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुल सचिव परीक्षा नियंत्रक ने स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों के सत्र 2021–22 के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित कर दी है। घोषित कार्यक्रम स्नातक सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षा के समस्त पाठ्यक्रमों हेतु प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर तथा द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की शुरुआत 7 फरवरी 2022 से होगी। जबकि फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 21 फरवरी 2022 तक निर्धारित है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार स्नातक बीए, बीएसी, बी कॉम प्रथम सेमेस्टर तथा बीए, बीएड एवं बीएसी बीएड के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर तथा वार्षिक परीक्षा के समस्त संस्थागत/व्यक्तिगत/भूतपूर्व द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के परीक्षार्थी अपना परीक्षा फॉर्म 7 फरवरी से भर सकते है।जबकि अंतिम तिथि 21 फरवरी 2022 निर्धारित है जबकि हार्ड कॉपी संस्थान जमा करने की अंतिम तिथि 22 फरवरी 2022 निर्धारित की गई हैं। भाऊ राव देवरस राजकीय महाविद्यालय के परीक्षा प्रभारी डॉ रामसेवक सिंह यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातक संस्थागत/व्यक्तिगत/भूतपूर्व द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित कर दी है। आदेश महाविद्यालय के सूचना बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। परीक्षार्थी 7 फरवरी से 21 फरवरी 2022 तक अवश्य परीक्षा फॉर्म भर दें।पूर्ण रूप भरे हुए परीक्षा फॉर्म कॉलेज में 22 फरवरी तक स्वीकार किए जाएंगे।

चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु फ्लैग मार्च

संवाददाता

सोनभद्र। पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक के निर्देशन के क्रम में विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत प्रभारी निरीक्षक घोरावल द्वारा स्थानीय पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के साथ थाना घोरावल क्षेत्रान्तर्गत एरिया डोमिनेशन/ फ्लैग मार्च किया गया। जिसका उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव 2022 को शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने, वैश्विक महामारी कोविड–19 के संक्रमण एवं उससे बचाव हेतु लोगों में जन–जागरुकता का संदेश देने तथा जनमानस में सुरक्षा की भावना लाना है। प्रभारी निरीक्षक घोरावल देवतानन्द सिंह द्वारा स्थानीय पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के साथ थाना घोरावल क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शिवद्वार, लोहान्डी, सोतिल, ओदार तथा कस्बा घोरावल में एरिया डोमिनेशन/फ्लैग मार्च किया गया।

प्रधान हत्याकांडः पुलिस ने एनकाउंटर में दबोचे दो शूटर

-मुख्य साजिशकर्ता सहित पांच हत्यारोपी गिरफ्तार

-पिस्टल, दो तमंचा, एक कार, दो मोटरसाकिल बरामद

संवाददाता

मथुरा। एसओजी, सर्विलांस, स्वाट, क्राइम ब्रांइच तथा कई थानों की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाही करते हुए पैगांव के प्रधान रामवीर की गोली मार कर दिनदहाडे की गई हत्या की घटना का खुलासा कर दिया है। संयुक्त कार्यवाही में ग्राम प्रधान पैगांव की हत्या करने वाले दो शूटर पुलिस इन्काउन्टर के बाद गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं हत्या की योजना मे शामिल अन्य अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। जिनमें घटना का मुख्य शाजिसकर्ता भी शामिल है। घटना मे प्रयुक्त 01 पिस्ट, दो तमंचा, एक कार तथा दो मोटरसाकिल बरामद की गई हैं। प्रधान की हत्या में उपयोग में लाए गए हथियारों को जनपद मेवात हरियाणा से खरीदा गया था।

एसएसपी डा.गौरव ग्रोवर ने बताया कि 29 जनवरी को कोकिलावन मंदिर की परिक्राम पर पैगांव के प्रधान रामवीर सिंह की शूटर्स के द्वारा गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। जिस रास्ते से वह भागे थे उसके बारे में जानकारी की गई। इसमें एसओजी, स्वाट, थाना पुलिस और बाकी कई थानों की पुलिस इसमें लगाई गयी। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से उनका मूवमेंट क्लीयर हुआ। आगे चल कर उनके चहरे क्लीयर हुए, जिनको कि मुखबिरों से शेयर किया गया जिससे कि उनकी पहचाना काफी हद तक क्लियर हो गई। साथ ही साथ परिवारी जनों द्वारा जो जानकारी उपलब्ध कराई गयी। एफआईआर लिखवाई गयी। स्थानीय खुफिया विभाग और ग्रामीणों से जो जानकारियां प्राप्त हुईं उससे साजिश कर्ताओं के भी नाम साफ होने लगे। उनकी घटना से पूर्व की और घटना के बाद की गतिविधियों का आंकलन किया गया। साथ ही साथ शूटर्स जिनके बारे में जानकारियां प्राप्त हुई, उनसे मुखबिरों के आधार पर जानकारियां और सर्विलांस के आधार पर मिली जानकारियों के बीच का कनेक्शन देखा गया जो कि बिल्कुल सटीक जुडा। इस घटना का सफल अनावरण हुआ है कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई है। दो अजय और एक अन्य शूटर्स जो मुठभेड में अरेट हुआ है। तीसरा शूटर फरार है। मुख्य शाजिसकर्ता अमोल नाम का व्यक्ति है जो कि पैगांव का ही निवासी है। विगत पंचायत चुनाव में प्रधान पद का प्रत्याशी था और दूसरे नम्बर पर रहा था। उसके दो साथी सौदन सिंह और रौताश भी अरेस्ट हुए हैं जो कि इस शाजिस में शामिल थे। उन्हें घटना की जानकारी थी। 29 जनवरी को सुबह करीब 11 बजे जनपद की सबसे बडी ग्राम पंचायत ग्राम पैगांव थाना शेरगढ के वर्तमान ग्राम प्रधान रामबीर की हत्या शनिदेव की परिक्रमा लगाते समय सिर में गोलियां मारकर दिन दहाडे हत्या कर बदमाश हवा में फायरिंग करते व असलाह लहराते हुए फरार हो गये थे। थाना पर धारा 147 ,148, 149, 302, 307, 506, 34, 120बी आईपीसी के तहत पंजीकृत कर घटना के शीघ्र खुलासे के लिए अलग अलग पांच टीमें डा. गौरव ग्रोवर गठित की थीं। टीमों की जांच की प्रतिगत की एसएसपी लगातार खुद मानीटरिंग कर रहे थे। दो फरवरी को हत्या करने वाले दो शूटरों व घटना के साजिशकर्ता तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। एक शूटर पुलिस मुठभेड में गोली लगने से घायल हुआ।

ऐसे पहुंची हत्यारोपियों तक पुलिस

घटना के तुरन्त बाद पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर चश्मदीदों की जानकारी की गयी जिन्होंने घटना के विवरण के साथ साथ घटना करने वालों के हुलिए व फरार होने की दिशा की भी जानकारी दी। इसी जानकारी के आधार पर सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाली गई। जिसमें आरोपी गिडोह के रास्ते से मथुरा का बोर्डर पार करते हुए कामा भरतपुर से पुन्हाना मेवात की तरफ जाने के साक्ष्य प्राप्त हुए। सीसीटीवी फुटेज को अभियुक्तों की पहचान के लिए मुखविरों से साझा किया गया। जिनके द्वारा संदिग्धों के नाम बताए गए। एफआईआर के आधार पर वह ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त करने के उपरान्त घटना में संलिप्त मुख्य साजिशकर्ताओं की घटना से पूर्व व घटना के बाद की गतिविधियों का अध्ययन किया गया। सर्विलांस के आधार पर साजिशकर्ताओं व शूटरों के आपसी सम्बन्ध घटना से उभरकर सामने आए जिसक की स्थानीय मुखविरों व अभिसूचना तंत्र ने भी पुष्टी की। इसी आधार पर मुख्य साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी की जिसके साथ–साथ शूटर अजय उर्फ मोनू भी गिरफ्तार हुआ और इन्ही की निशादेही पर दूसरे शूटर शिवम उर्फ गुन्डा की पुलिस टीम द्वारा घेराबन्दी कर मुठभेड़ के उपरान्त गिरफ्तारी की गयी ।

ये हुए हैं गिरफ्तार

–शिवम ठाकुर उर्फ गुण्डा पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम भटौना थाना गुलावटी जिला बुलन्दशहर हाल निवासी संजय विहार आवास विकास कालौनी थाना कोतवाली नगर जनपद हापुड (हत्या मे शूटर)

–मोनू जाट उर्फ अजय उर्फ सचिन पुत्र ब्रह्मपाल सिंह निवासी खालौर, थाना जांहगीराबाद जनपद बुलन्दशहर (हत्या मे शूटर)

–अमोल उर्फ अनमोल पहलवान पुत्र रणजीत निवासी पैगांव थाना शेरगढ जनपद मथुरा उम्र 28 वर्ष (हत्या का मुख्य साजिश कर्ता)

–रोहताश पुत्र सतवीर निवासी पैगांव थाना शेरगढ जनपद मथुरा उम्र 23 वर्ष (हत्या का साजिश कर्ता)

–दानसिंह पुत्र नन्दराम निवासी पैगांव थाना शेरगढ जनपद मथुरा उम्र 35 वर्ष (हत्या का साजिश कर्ता)

एडीजी जोन आगरा ने की 50 हजार पुरस्कार की घोषणा

35 तेजतर्रार पुलिसकर्मियों की टीम ने कार्रवाही को दिया अंजाम। एडीजी आगरा जोन ने खुलासा करने वाली टीम को 50 हजार रूपये पुरस्कार देने की घोषणा की है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्यागी थाना कोसीकला, प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार थाना हाइवे, निरीक्षक अपराध सुबोध कुमार तोमर थाना कोसीकला, उप निरीक्षक धीरज गौतम एसओजी प्रभारी, उप निरीक्षक सोनू कुमार सर्विलॉन्स प्रभारी, उप निरीक्षक मनिन्द्र कुमार चौकी प्रभारी कस्बा कोसीकला, उप निरीक्षक अरविन्द पूनिया चौकी प्रभारी बठैन गेट थाना कोसीकला, उप निरीक्षक उमेश कुमार शर्मा चौकी प्रभारी गोपालबाग थाना कोसीकला, उप निरीक्षक ललित भाटी चौकी प्रभारी जिन्दल चौराहा थाना कोसीकला, उप निरीक्षक अमित आनन्द चौकी प्रभारी शाहपुर थाना कोसीकला, उप निरीक्षक अर्जुन राठी चौकी प्रभारी गढी बरवारी थाना कोसीकला, उप निरीक्षक राकेश कुमार चौकी प्रभारी हरनौल मोड थाना सुरीर, उप निरीक्षक योगेश नागर चौकी प्रभारी कृष्णा नगर थाना कोतवाली, उप निरीक्षक रोहित कुमार चौकी प्रभारी मण्डी थाना हाईवे, उप निरीक्षक अनुज नागर चौकी प्रभारी सतोहा थाना हाईवे सहित 35 तेज तर्रार पुलिसकर्मियों की टीम ने कार्रवाही को अंजाम दिया।

आजीविका मिशनकर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

मथुरा। आजीविका मिशन कर्मियों द्वारा जिला अधिकारी मथुरा डॉ. नवनीत सिंह चहल एवं राजीव भवन में उपायुक्त रोजगार मथुरा को नौ सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा। और कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती जब हम कार्य नहीं करेंगे और पूरे उत्तर प्रदेश में गुरूवार से सभी आजीविका मिशन कर्मियों द्वारा कार्य का बहिष्कार किया गया। इनकी प्रमुख नौ मांगे हैं जो कि सरकार द्वारा मांगी जा रही हैं आजीविका मिशन कर्मियों ने कहा कि विसंगतियों से परिपूर्ण उे के माध्यम से निकाली गई भर्ती को तत्काल निरस्त किया जाए। 12वीं शासी निकाय में पारित मॉडल एच. आर. पॉलिसी को यथावत लागू किया जाए। वर्ष 2015 से ही अनुमोदित वेतन वृद्धि के क्रम में समस्त जनपद व ब्लॉक कर्मियों को सात प्रतिशत इन्क्रीमेंट व एरियर प्रदान किया जाए। समस्त कार्मिकों को अनुमोदित मानव संसाधन नीति के अनुसार समस्त भत्ते(यात्रा, लैपटॉप, मोबाइल व इंटरनेट अलाउंस, शिक्षा भत्ता आदि), मेडिक्लेम व दुर्घटना बीमा लागू किया जाए। समस्त कर्मियों को ईपीएफ का लाभ दिया जाए। कार्मिकों के पारदर्शी स्थानांतरण हेतु स्थानातरण नीति बना कर लागू किया जाए। कार्यरत समस्त कंप्यूटर ऑपरेटर का पूर्व में लागू मानदेय बहाल करते हुए सात प्रतिशत इन्क्रीमेंट एरियर प्रदान किया जाय। मिशन में पूर्व में कार्यरत किसी भी कर्मी की दुर्घटना से हुई मौत के लिए 25 लाख रुपये व परिवार के एक सदस्य को मिशन में नौकरी दी जाए। आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म कर के सभी कर्मियों को पूर्व की भांति विभागीय संविदा पर रखा जाए इस दौरान जिला मिशन प्रबंधक, सत्येन्द्र अनुरागी अजीत तिवारी, ब्लॉक मिशन प्रबंधक, वीरू वर्मा, कुशल कुमार, अभिषेक, त्रिलोकीनाथ, सतीश, शिवा विश्वकर्मा, सोनल चौरसिया, वीना देवी, पायल सिरोठिया, सरिता कुमारी, दीपक तिवारी, विनीत तिवारी, हेमंत वर्मा, पुष्पेंद्र कुशवाह, अमित कुमार, इमरान खान, श्याम सुंदर, दुर्गा रावत, तपन सारस्वत, जाहिद खान, अनुराग त्रिपाठी, मुकेश शर्मा, मुकेश मिश्रा, जगमोहन, आशीष कटियार, आशीष सचान, तपेश नरेश पवार, अमित,आदि उपस्थित रहे

'21 करोड विकास निधि बनी' पैगांव प्रधान की हत्या की वजह

संवाददाता

मथुरा। परफॉर्मेंस ग्रांट के 21 करोड रूपये ग्राम पंचायत पैगांव के प्रधान रामवीर सिंह की हत्या की वजह बनी। ग्राम पंचायत चुनावों में पैगांव का प्रधान बनने की होड में दूसरे नम्बर पर रहे हारे हुए प्रत्याशी अमोल पहलवान ने हत्या की इस पूरी कहानी का तानाबाना बुना। पैसे पर शूटर बुलाए गए और पैगांव के ग्राम प्रधान की हत्या को आंजम दिया गया।

जनपद की पांच ग्राम पंचायतों को माडल के तौर पर विकसित करने के लिए चुना गया है। इनमें से एक ग्राम पंचायत छाता क्षेत्र की पैगांव भी है। ग्राम पंचायत को 21 करोड रूपये विकास के लिए मिलने हैं। जिनमें से सात करोड 45 लाख रूपये शासन की ओर से निर्गत भी किए जा चुके हैं। एसएसपी डा.गौरव ग्रावर ने पैगांव प्रधान की हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि इस हत्याकांड के पीछे मुख्य वजह प्रधानी की रंजिश और ग्राम पंचायत को आवंटित होने वाली 21 करोड रूपये की ग्रांट ही रही है। यह घटना मुख्यमरूप से गांव के विकास के लिए सरकार द्वारा दी गई 21 करोड की धनराशि के उपर कब्जा करने के लिए व गांव से संबंधित अन्य कारण जो जिनसे कि अमोल के मन में प्रधान के प्रति रंजिश पैदा हुई थी उसी के चलते प्रधान को रस्ते से हटाने के लिए यह घटना प्लान की गई। जिसके लिए उसके द्वारा शूटर हायर किए गए और यह घटना कराई गई। परफॉर्मेंस ग्रांट के अंतर्गत उत्तर प्रदेश शासन से ग्राम पंचायत पैगाम को 20 करोड़ 45 लाख रुपए प्राप्त हो चुके हैं। जिसके तहत 156 विकास कार्य कराए जाने हैं।

परफॉर्मेंस ग्रांट के अंतर्गत विधानसभा छाता क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पैगाम में 7 करोड़ 80 लाख की धनराशि के 106 कामों का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार चौधरी लक्ष्मी नारायण ने किया था। इस दौरान जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल एवं जिला पंचायत राज अधिकारी किरण चौधरी भी मौजूद रहे थे। दूसरी ग्राम पंचायतों के प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारियों को भी कार्यक्रम में बुलाया गया था।

उप चुनाव में थी जीत की उम्मीद

घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि मुख्य साजिशकर्ता द्वारा ग्राम प्रधान रामवीर सिंह की हत्या करवाकर पुनः चुनाव होने पर विजेता होने की उम्मीद रखते हुए तथा 21 करोड़ के अनुदान को अपने अनुसार खर्च करने के उद्देश्य से षड़यन्त्र रचकर यह घटना कारित की गयी है ।

मतदान बढ़ाने के लिए घर घर दस्तक दे रहे एनएसएस स्वयंसेवक

-स्वीप कार्यक्रमों के तहत चंपा अग्रवाल कॉलेज के स्वयंसेवक मतदाताओं को कर रहे जागरूक

संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावी प्रक्रिया के बीच मथुरा में 10 फरवरी को होने जा रहे प्रथम चरण के मतदान के लिए चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र अपने अपने क्षेत्रों में घर घर जाकर मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, उनको जागरूक कर रहे हैं। सभी मतदाताओं के घर–घर दस्तक देकर उनको एक–एक वोट का महत्व समझा रहे हैं। ताकि प्रदेश और मंडल में मथुरा अब्बल रहे। इस दौरान स्वयंसेवक, देश तरक्की तभी करेगा–हर वोटर जब वोट करेगा, नर नारी सब देना ध्यान–वोट डालना अबकी बार, बहकावे में कभी ना आना–सोच समझकर बटन दबाना, बिना जात पात के डाले वोट–इसका कभी ना लेंगे मोल, एक भी वोटर छूट गया–संकल्प हमारा टूट गया आदि जोशीले नारे लगाते हुए चल रहे थे। कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि 'ष्सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रमों के अंतर्गत पिछले सप्ताह 25 जनवरी राष्ट्रीय मतदाता दिवस से लगातार चल रहे मतदाता जन जागरूकता कार्यक्रमों के अंतर्गत आज एनएसएस स्वयंसेवकों ने मथुरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास क्षेत्र, जंक्शन रोड, मयूर बिहार, स्टेट बैंक चौराहा, सौंख अड्डा, भरतपुर गेट आदि आदि क्षेत्रों में घर–घर जाकर संपर्क किया। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से इस बार 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग, दिव्यांगजन और कोविड–19 से पीड़ित व्यक्तियों के लिए स्टेप डोर वोटिंग के अंतर्गत पोस्टल बैलट से उनके घर से ही वोट डालने की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त महिलाओं का वोट प्रतिशत बढ़ाने और उनको जागरूक करने के लिए सखी बूथ और पिंक बूथ की जानकारी भी स्वयंसेवक सभी महिला मतदाताओं को दे रहे हैं। मतदान के लिए घर–घर दस्तक देने वाले एनएसएस स्वयंसेवकों में टीम लीडर हिमांशु तोमर, सूरज शर्मा, रवि गोयल, रामबाबू, गौरव, अजय एवं कुलदीप आदि शामिल थे।

आचार संहिता लगते ही मथुरा पुलिस ने दिखाया दम

संवाददाता

मथुरा। आचार संहिता लगते ही मथुरा पुलिस ने दम दिखाया है। हथियार तस्करों, शराब माफिया से लेकर गैंगस्टर और अपराधियों के खिलाफ ताबडतोड कार्रवाही की है। माफिया की कमर तोड कर रख दी है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाही के बाद माफिया दहशत में हैं। विधान सभा चुनावों को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए पुलिस मथुरा पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब देशी विदेशी करीब 56,314 लीटर बरामद की गई है तथा दो अवधै शराब की भट्टियों को नष्ट किया गया है। जिन में एक शहर कोतवाली क्षेत्र में तथा दूसरी थाना गोवधान क्षेत्र में थी। 268 अवैध शस्त्र बरामद किए गए हैं। जिनमें तीन फैक्ट्री मेड शस्त्र हैं। 452 अवैध कारतूस बरामद किए गए हैं। थाना क्षेत्र कोसीकला, शेरगढ, गोवधान, बरसाना में चार अवधै शस्त्र फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है, जिनमे भारी सख्या में अवैध शस्त्र व कारतूस व उनको बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। कार्यवाही में 226 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एक किलो 800 ग्राम लहरोइन, 356 किलो 400 ग्राम गांजा, पांच किलो 360 ग्राम नशीला पाउडर, 40 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। मथुरा पलुसि व प्रशासन की संयुक्त एफएसटी, एसएसटी टीम व पुलिस टीम के द्वारा चौकिंग के दौरान 72,59,700 नकदी एवं 36 किलो 300 ग्राम सफेद चांदी बरामद की गई है। 11,941 लाइसेंसी शस्त्र भी जमा कराए गए हैं। आदर्श आचार संहिता का अल्लंघन करने पर अब तक 32 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस द्वारा 107, 116 आईपीसी के अततगात कुल 78,932 व्यक्तियों के के विरूद्ध पाबंद करने की कार्रवाही की गई है, जिनमें से अबतक 70,658 व्यक्तियों को पाबंद किया जा चुका है तथा 10,332 व्यक्तियों को 5 लाख रुपये के मुचलका पर पाबंद किया गया है। पुलिस ने 14 शस्त्र लाइसेंस निरस्त या नि लंबित कराए गए हैं जिनमें चार डबल बैरल गन, चार सिंगल बैरल गन, तीन रिवाल्वर, दो राइफर तथा एक पिस्टल है। आठ गगैं चिन्हित कर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाही की गई है। गुण्डा एक्ट में 122 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाही की गई है जिसमें 66 को जिला बदर किया गया है। 56 की निगारी की जा रही है। जघन्य अपराधों में शामिल रहे 22 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है।

कार से एक लाख 70 हजार रूपये बरामद

संवाददाता

मथुरा। विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत एसएसटी टीम द्वारा लगातार चौकिंग की जा रही है। चौकिंग के दौरान एक लाख 70 हजार रूपये नकद बरामद किये गए। अभियान के क्रम में कुंवर रोविन्स कार्यपालक मजिस्ट्रेट, एफएसटी टीम द्वारा खप्परपुर यमुना एक्सप्रैसवे अन्डरपास के पास वाहनों की चौकिंग की जा रही थी, तभी चौकिंग के दौरान स्विफ्ट डिजायर कार से एक लाख 70 हजार रूपये नकद बरामद हुए। बरामद नकदी के सम्बन्ध में वाहन चालक कन्हैया पुत्र मोहनलाल पांडे निवासी नीवरी रोड बल्देव थाना बल्देव जनपद मथुरा से जानकारी की गयी, तो कोई संतोषजनक जबाब नहीं दे पाये और न ही उक्त नकदी के सम्बन्ध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत कर सके। जिसके उपरान्त निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों के क्रम में एक लाख 70 हजार रूपये को नियमानुसार थाना हाजा पर दाखिल किया गया है। कार्रवाही के दौरान कुंवर रोविन्स डिप्टी कमिशनर वाणिज्य कर मथुरा (कार्यपालक मजिस्ट्रेट एफएसटी टीम), उप निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार एफएसटी टीम मथुरा मौजूद थे।।

11 फरवरी को दावे और आपत्तियों

मथुरा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिला वित्त एवं राजस्व ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा 31 जनवरी की निर्गत सूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद की मथुरा स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन–2022 के लिए निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन एक फरवरी द्वारा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक फरवरी को मतदाता सूची प्रकाशन, एक से आठ फरवरी तक दावे और आपत्तियां, 11 फरवरी को दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा तथा 11 फरवरी को अन्तिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा।

अनियंत्रित कार खाई में गिरी

मथुरा। गोवर्धन तहसील क्षेत्र के बछगांव में एक बलेनो कार नम्बर आरजे 05 सीबी 6303 है। अचानक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। कार में सवार एक महिला तथा एक व्यक्ति घायल हो गया। खेत में पानी लगा रहे किसानों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को गाड़ी से बमुश्किल निकालकर प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया जिससे घायलों की जान बच पाई।

71 पीठासीन, मतदान अधिकारियों के खिलाफ एफआईआरा

संवाददाता

मथुरा। मुख्य विकास अधिकारीध्कार्मिक अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने मतदान प्रशिक्षण के विषय में मतदान अधिकारियों को मतदान संबंधी विभिन्न जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण जिनता अच्छा होगा चुनाव उतना ही सफल होगा। सहायक कार्मिक अधिकारी बलराम कुमार ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों से अपील कि की विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 में निष्पक्ष रूप से अपने मतदान का प्रयोग करने एवं जनपद में कोविड–19 के नये वैरियंट के संक्रमण से बचाव हेतु मास्क, सेनेटाईजर एवं सोशल डिस्टेसिंग सहित शासन व प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का अनुपालन करें। उन्होंने जानकारी दी कि प्रथम पाली में कुल प्रशिक्षणार्थी एक हजार व द्वितीय पाल में भी एक हजार प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त करना था, किन्तु प्रथम पाली में 33 तथा द्वितील पाली में 38 मतदान अधिकारी अनुपस्थित रहे। इससे एक दिन पहले 41 पीठासीन और मतदान अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

डिजीटल नकल गैंग का पांचवां आरोपी पकडा

मथुरा। आरआ, एआरओ उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की परीक्षा में अनुचित डिजीटल साधन का प्रयोग कर परीक्षा में सेंधमारी करने वालों में से पुलिस अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पांचवें आरोपी कुलदीप सिंह पुत्र स्व. उमेश सिंह निवासी ग्राम भरतिया थाना बल्देव को पुलिस ने गुरूवार को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना बलदेव नरेन्द्र यादव के मुताबिक कुलदीप को उसके गांव भरतिया स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। धारा 420, 120बी भादवि व 3, 9 सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम व 65, 66 आई.टी एक्ट थाना महावन की विवेचना व पूछताछ से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त कुलदीप सिंह व इसके साथी संगठित गिरोह के रुप में अन्य लोगों की मदद से परीक्षा में सैंधमारी कर परीक्षा पास कराकर सरकारी नौकरी लगवाने का ठेका लेने कार्य करते है।

12 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, निपटाएं विवाद

संवाददाता

मथुरा। जनपद न्यायाधीश मथुरा राजीव भारती ने लोगों से अपील की है कि 12 मार्च 2022 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रतिभाग कर लाभ उठाएं। 12 मार्च 2022 को तहसील स्तर से जिला स्तर तक पूर्ण भारत वर्ष में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर शीघ्र, सुलभ व सक्षम न्याय पायें, न्याय शुल्क वापस प्राप्त कर आपसी भाईचारा बढायें। राष्ट्रीय लोक अदालत दिनाँक 12 मार्च 2022 को जनपद मथुरा की किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारित किए जाने हेतु आवेदन–पत्र देकर अन्तिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव के लिए लम्बित मामले से छुटकारा पाने का स्वर्णिम अवसर है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा सुश्री सोनिका वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि सस्ता, सुलभ न्याय प्रत्येक भारतीय नागरिक का मौलिक अधिकार है।

जनपद न्यायाधीश द्वारा लोक अदालत के लाभ के बारें में बताया कि पक्षों के मध्य आपसी सुलह–समझौते के आधार पर विवाद का निस्तारण, पक्षकार व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं पहल कर सकता है, लम्बित मामलों के लोक अदालत में निस्तारण कर न्याय शुल्क की वापसी की व्यवस्था, लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय के विरूद्ध कोई अपील नहीं, कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित है। राष्ट्रीय लोक अदालत में संदर्भित किए जाने योग्य वादध्मामले छोटे–छोटे जितने भी मुकदमें हैं उनका सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण किया जा सकता है, चाहे वह भरण–पोषण से सम्बन्धित हों, चाहे वह मोटर दुर्घटना प्रतिकर के हों, सिविल प्रकृति के वाद हों, शमनीय अपराध के वाद हो, प्री–लिटिगेशन स्टेज पर बैंक ऋण, जल कर, गृह कर एवं अन्य छोटे–छोटे वादों का निस्तारण किया जा सकता है।

वित्त सचिव सोमनाथन ने कहा, क्रिप्टो करेंसी कभी भी वैध मुद्रा नहीं बनेगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त सचिव टी वी सोमनाथन ने बृहस्पतिवार

को क्रिप्टोकरेंसी की वैधता को लेकर चीजें साफ करते हुए कहा कि निजी डिजिटल मुद्रा कभी भी कानूनी मुद्रा नहीं बनेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सप्ताह संसद में पेश 2022–23 के बजट में क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल संपत्तियों में लेन–देन पर होने वाले लाभ को लेकर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव किया। साथ ही एक सीमा से अधिक के लेन–देन पर एक प्रतिशत टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) लगाने की भी घोषणा की। सोमनाथन ने पीटीआई–से बातचीत में कहा कि जिस प्रकार सोना और हीरा मूल्यवान होने के बावजूद वैध मुद्रा नहीं है, निजी क्रिप्टोकरेंसी भी कभी वैध मुद्रा नहीं होंगी। उन्होंने कहा, ''क्रिप्टो कभी भी वैध मुद्रा नहीं होगी। कानून के हिसाब से वैध मुद्रा का मतलब है कि उसे कर्ज के निपटान में स्वीकार किया जाएगा। भारत किसी भी क्रिप्टो संपत्ति को वैध मुद्रा नहीं बनाएगा। केवल भारतीय रिजर्व बैंक का डिजिटल रुपया ही देश में वैध मुद्रा होगा।''उ दुनिया में केवल अल–सल्वाडोर ने ही पिछले साल सितंबर में बिटकॉइन को वैध मुद्रा के रूप में स्वीकार किया है।

किसी भी अन्य देश में क्रिप्टो को वैध मुद्रा का दर्जा नहीं मिला है।उ देश में क्रिप्टो मुद्रा के लिये नियम बनाने को लेकर विचार–विमर्श जारी है। लेकिन अब तक कोई मसौदा जारी नहीं किया गया है। इस बीच, केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा अगले वित्त वर्ष से परिचालन में आएगी। यह पूछे जाने पर कि संसद के शीतकालीन सत्र में क्रिप्टो संपत्ति के नियमन को लेकर विधेयक लाने की बात थी लेकिन मौजूदा बजट सत्र में ऐसा नहीं है, सोमनाथन ने कहा, ''यह महसूस किया गया कि क्रिप्टो पर कानून लाने से पहले इस पर व्यापक विचार–विमर्श की जरूरत है। इस विचार–विमर्श का मकसद इस बात पर गौर करना है कि क्या इसके लिये नियमन की जरूरत है।'' वित्त सचिव ने कहा, ''हमारी व्यवस्था लोकतांत्रिक है। लोकतंत्र में सरकार कुछ शुरू करती है लेकिन फिर प्रतिक्रिया होती है। सरकार उस प्रतिक्रिया को सुन रही है और उसके आधार अभी तक अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है...। इस बीच, चूंकि क्रिप्टो और अन्य डिजिटल संपत्तियों में लेन–देन लगातार बढ़ रहा था, अतरू कर स्पष्टता की जरूरत थी।

दिबियापुर विधानसभा सीट : जो जीता उसी की बनी प्रदेश में सरकार, पुराना तो नहीं पर दिलचस्प है इस सीट का इतिहास

संवाददाता

कानपुर। औरैया जिले की दिबियापुर विधानसभा सीट का इतिहास बहुत पुराना नहीं। महज बीते दो चुनावों का है। इस औद्योगिक क्षेत्र की तस्वीर मूलभूत सुविधाओं के मामले में जिले के अन्य क्षेत्रों से बेहतर है। यहां हुए दो चुनावों में एक दिलचस्प मिथक भी बन गया है। जो पार्टी यहां जीतती है, सरकार उसकी बनती है। 2012 और 2017 में सत्ता पक्ष का चेहरा रहे सपा और भाजपा के दिग्गज इस बार भी आमने–सामने हैं। बसपा लगातार तीसरी बार यहां ब्राह्मण चेहरे का फार्मूला अपना रही है। जनता इस बार किसके पाले में जाती है, यह देखने वाला है।

औद्योगिक क्षेत्र दिबियापुर की शान गैस अथारिटी आफ इंडिया के अलावा एनटीपीसी भी है। प्लास्टिक सिटी यहां और बन जाती तो, एक और नई पहचान जुड़ जाती। दिबियापुर विधानसभा सीट वर्ष 2009 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई। तब, जब अजीतमल विधानसभा सीट खत्म हुई और दिबियापुर के रूप में नई विधानसभा सीट मिली। वर्ष 2012 में यहां पहला विधानसभा चुनाव हुआ तो सपा के प्रत्याशी प्रदीप यादव के सिर जीत का सेहरा बंधा। उस साल अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा की सरकार बनी। दिबियापुर सीट के खाते में सत्ता पक्ष का विधायक मिला। सपा को जिताने का इनाम भी दिबियापुर को मिला। तत्कालीन सरकार ने यहां पर प्लास्टिक सिटी बनाने की घोषणा की। हालांकि, यह अब तक मूर्त रूप नहीं ले सकी है। बजट के अड़ंगे के चलते काम लटका हुआ है। 2017 के चुनाव में भाजपा की लहर में यहां के समीकरण भी पलट गए। दोबारा सपा से मैदान में खड़े प्रदीप यादव को हार का मुंह देखना पड़ा। जीत मिली भाजपा के लाखन सिंह राजपूत को। इस बार भी दिबियापुर को उपहार मिला। लाखन सिंह के कृषि राज्य मंत्री बनने से यह सीट वीआइपी हो गई। सेहुद में आवासीय मेडिकल कालेज बनने की घोषणा भी हो गई। इसका निर्माण जारी है। बसपा यहां की राजनीति में अलग राह पर चली। बीते दोनों चुनावों में उसने ब्राह्मण चेहरे पर दांव लगाया। 2012 में बसपा प्रत्याशी रामजी शुक्ल ने प्रदीप यादव को टक्कर दी और दूसरे नंबर पर रहे। 2017 में राम कुमार अवस्थी को मैदान में उतारा लेकिन, वह तीसरे स्थान पर रहे। इस बार चुनाव में प्रदीप यादव और लाखन सिंह राजपूत दोनों ही फिर मैदान में आमने–सामने हैं। दोनों की साख दांव पर है। बसपा लगातार तीसरी बार भी ब्राह्मण चेहरे अरुण दुबे के साथ उतरी है।

राजनाथ सिंह के कार्यक्रम को लेकर मुरादाबाद में बड़ी लापरवाही, पुलिस रिपोर्ट के बिना दी थी इजाजत

संवाददाता

मुरादाबाद। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के दो कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने पुलिस रिपोर्ट के बिना ही आनन–फानन में पेट्रोल पंप के पास कार्यक्रम की अनुमति प्रदान कर दी थी। जब एनएसजी की टीम ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया, तो उन्होंने सभास्थल के चयन को लेकर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद सीओ कटघर और मूंढापाडे थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के बाद रिपोर्ट दी। पुलिस की इस रिपोर्ट के बाद रक्षामंत्री का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। गुरुवार को मुरादाबाद की कांठ और कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की दो जनसभाएं होनी थी। पहली सभा दोपहर दो बजे से कांठ के पट्टी मौढ़ा गांव में तो दूसरी मूंढापांडे में मुरादाबाद–लखनऊ हाईवे पर प्रस्तावित थी। मूंढापांडे में कार्यक्रम स्थल बुधवार को देर शाम चिह्नित किया गया था। आनन–फानन में प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वीकृति प्रदान कर दी थी। लेकिन, देर शाम जब रक्षामंत्री के सुरक्षा सम्भालने वाली एनएसजी टीम के अधिकारी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे तो वह हैरान रह गए। कार्यक्रम स्थल के पास ही पेट्रोल पंप स्थित था। इसे देखकर एनएसजी के अधिकारियों ने आपत्ति दर्ज कराई।इसके बाद प्रशासनिक अफसरों की नींद उड़ गई। तत्काल सीओ कटघर आशुतोष तिवारी और मूंढापांडे थाना प्रभारी संजय पांचाल ने मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के बाद आरओ राजबहादुर सिंह को रिपोर्ट भेजी। पुलिस की इस रिपोर्ट के बाद कार्यक्रम को रद कर दिया गया। पुलिस की रिपोर्ट के बिना ही दी गई थी कार्यक्रम की इजाजतः एनएसजी की आपत्ति के बाद पुलिस अधिकारियों ने इस मामले से पल्ला झाड़ लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें कार्यक्रम की कोई जानकारी नहीं दी थी। पुलिस की रिपोर्ट मांगे बिना ही प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम को इजाजत प्रदान कर दी थी। एनएसजी की आपत्ति के बाद इस मामले में आनन–फानन में पुलिस की रिपोर्ट मांगी थी। जिसके बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। हालांकि इस मामले में मुरादाबाद एसएसपी बबलू कुमार ने बताया कि एनएसजी की आपत्ति के बाद कार्यक्रम को रद्द किया गया था। पुलिस की रिपोर्ट के बाद ही प्रशासनिक अफसर कार्यक्रम की इजाजत प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की रिपोर्ट के बिना किसी कार्यक्रम की इजाजत ही नहीं प्रदान की जा सकती। इस कार्यक्रम के लिए भी पुलिस की रिपोर्ट भेजी गई है।

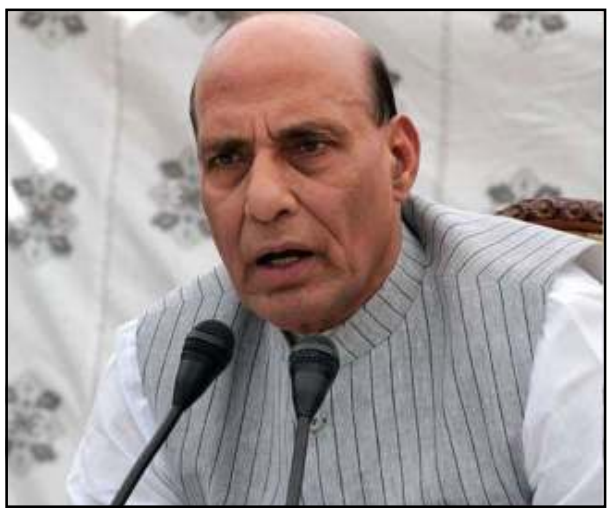

नाक से निकली पानी की एक बूंद भी संक्रमित करने के लिए काफी शोध

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन में हुए एक नए शोध से पता चला है कि किसी संक्रमित के नाक से निकलने वाली पानी की एक सूक्ष्म बूंद के संपर्क में आने मात्र से व्यक्ति कोविड–19 का शिकार हो सकता है। इस शोध की शुरुआत में प्रतिभागियों के शरीर में सार्स–कोव–2 वायरस के अंश डाले गए थे। शोधकर्ताओं ने दावा किया कि यह अपनी तरह का पहला शोध है, जो व्यक्ति के सार्स–कोव–2 वायरस के संपर्क में आने से लेकर संक्रमण से उबरने तक के सफर में कोविड–19 की स्थिति का विस्तृत विश्लेषण करता है। उन्होंने पाया कि वायरस के संपर्क में आने के औसतन दो दिन बाद लक्षण बहुत तेजी से उभरने लगते हैं।शोधकर्ताओं ने यह भी देखा कि संक्रमण गले से शुरू होता है और लगभग पांच दिन बाद जब यह चरम पर पहुंच जाता है, तब नाक में वायरस की संख्या गले के मुकाबले कहीं अधिक होती है। शोध से यह भी सामने आया है कि लैटरल फ्लो टेस्ट (एलएफटी) इस बात के विश्वसनीय संकेतक हैं कि मरीज में वायरस मौजूद है या नहीं? और वह अन्य लोगों में वायरस का प्रसार करने में सक्षम है या नहीं? शोध के नतीजे 'नेचर जर्नल' के प्री–प्रिंट सर्वर पर प्रकाशित किए गए हैं। हालांकि, इनकी समीक्षा किया जाना अभी बाकी है। लंदन स्थित रॉयल फ्री अस्पताल में हुए इस शोध में 36 स्वस्थ युवा प्रतिभागियों को शामिल किया गया, जिनमें वायरस के खिलाफ कोई प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी। सभी प्रतिभागियों को वायरस की न्यूनतम मात्रा के संपर्क में लाया गया, जो आमतौर पर संक्रमण के चरम पर होने के दौरान नाक से निकलने वाली पानी की एक सूक्ष्म बूंद में मौजूद हो सकती है। शोध दल में शामिल इंपीरियल कॉलेज के प्रोफेसर क्रिस्टोफर चिउ ने बताया कि नाक से निकलने वाली पानी की एक सूक्ष्म बूंद भी व्यक्ति को संक्रमित करने के लिए काफी है। हालांकि, ऐसी स्थिति में मरीज के गंभीर संक्रमण का शिकार होने की आशंका न के बराबर रहती है। चिउ के मुताबिक, यह अध्ययन कोविड–19 के इलाज के लिए नए टीके और दवाओं के विकास में मदद करेगा।

चुनावी मौसम में बारिश पर भारी कार्यकर्ताओं का जोश, अखिलेश यादव के रोड शो में दिखा नजारा

संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में प्रथम चरण के तहत आगामी 10 फरवरी को 58 सीटों पर मतदान होना है, ऐसे में चुनाव प्रचार पूरी तरह से जोर पकड़ चुका है। आलम यह है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भले ही मौसम खराब हो, लेकिन चुनावी मौसम गरमाया हुआ है। इसका नजारा बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की गाजियाबाद में और समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के रोड शो–रैली में देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने दोनों ही नेताओं को निराश नहीं किया और बारिश के बीच रैली–रोड शो स्थल पर डटे रहे। इससे पहले गाजियाबाद में ही रैली के लिए पहुंचीं पूर्व सीएम और बहुजन समाज पार्टी की मुखिया को कार्यकर्ताओं ने निराश नहीं किया। बारिश के बावजूद रैली स्थल पर कार्यकर्ता मायावती के भाषण समाप्त करने तक डटे रहे। उधर, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का माहौल भले ही कितना भी गर्म है। लेकिन मौसम ने दिखा दिया कि सर्दी का असर कुछ अलग ही है। इस मौसम को धता बताते हुए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता शाम के 5रू00 बजे से आधी रात के बाद तक सड़कों पर जमे रहे। उनके उत्साह में कोई कमी ना उनके जोश में कोई कमी इंतजार था। तो सिर्फ अखिलेश यादव का कहीं ना कहीं उस उम्मीद का जो प्रदेश की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है। आधी रात में सड़कों पर समाजवादी पार्टी का झंडा हाथ में लेकर कार्यकर्ताओं के साथ पदाधिकारियों में जो जोश देखा। उसकी उम्मीद तो शायद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बिना की होगी। इंतजार की इस घड़ी में वह नेता और पदाधिकारी जो अब तक चुनाव से गायब थे। पूरे खरोश के साथ अखिलेश यादव की अगुवाई में सड़क पर खड़े दिखाई दिए।

सीरिया में अमेरिकी हमले में आईएस का प्रमुख मारा गया ' बाइडन

एजेंसी

अतमह(सीरिया)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने

बृहस्पतिवार को कहा कि सीरिया में देर रात अमेरिकी विशेष बलों के हमले में इस्लामिक स्टेट समूह का प्रमुख मारा गया। हमले में अबू इब्राहिम अल–हाशिमी अल–कुरैशी को निशाना बनाया गया, जिसने अबू बकर अल बगदादी के इसी इलाके में एक अमेरिकी हमले में मारे जाने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को आतंकी संगठन की बागडोर संभाली थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सैनिकों के पहुंचने पर जिस तरह बगदादी ने एक बम विस्फोट कर खुद को अपने परिवार के सदस्यों को मार डाला था उसी तरह अल कुरैशी की मौत हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अमेरिकी विशेष बल सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले एक इलाके में उतरे और एक मकान पर धावा बोला, दो घंटे तक उनकी बंदूकधारियों के साथ झड़प हुई। इलाके के बाशिंदों ने बताया कि लगातार गोलीबारी और विस्फोटों से तुर्की की सीमा पर स्थित अतमह कस्बा दहल उठा। प्राप्त सूचना के मुताबिक छह बच्चों और चार महिलाएं समेत 13 लोग मारे गये हैं। बाइडन ने एक बयान में कहा कि उन्होंने ''अमेरिकी लोगों और अपने सहयोगियों की सुरक्षा करने तथा विश्व को एक सुरक्षित स्थान बनाने के लिए इस हमले का आदेश दिया था।''

उन्होंने कहा, ''हमारे सशस्त्र बलों के कौशल और बहादुरी को सलाम, हमने आईएसआईएस प्रमुखअबू इब्राहिम अल–हाशिमी अल–कुरैशी का जंग का मैदान जीतलिया है।'' उन्होंने कहा कि अभियान में शामिल सभी अमेरिकी सुरक्षित लौट आए हैं।

यूरोप कोविड महामारी के संभावित अंत की ओर बढ़ रहा : डब्ल्यूएचओ

एजेंसी

कोपेनहेगन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के यूरोप कार्यालय के निदेशक ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाद्वीप अब कोविड–19 महामारी के संभावित अंत की ओर बढ़ रहा है और संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या का स्थिर होना शुरू हो गया है। डॉ. हेंस क्लुग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन कारणों से कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए यूरोप के देशों के पास एक ही अवसर है रू टीकाकरण के चलते उच्च स्तर की प्रतिरक्षा और प्राकृतिक संक्रमण, वायरस की उष्ण मौसम में फैलने की कम प्रवृत्ति और ओमीक्रोन स्वरूप से कम मौत होना। क्लुग ने कहा कि चूंकि आने वाले हफ्तों में यूरोप के ज्यादातर हिस्से में सर्दी कम हो जाएगी, ऐसे में आगामी वसंत का मौसम ''हमें स्थिरता की संभावना वाली एक लंबी अवधि में ले जाएगा तथा आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से में संचरण के फिर से होने के खिलाफ प्रतिरक्षा होगी।'' उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस का कोई अन्य स्वरूप उभरने पर भी यूरोप में स्वास्थ्य अधिकारी इसे रोकने में सक्षम होंगे। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए सीमाओं पर टीकाकरण बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरे यूरोप में और अन्य स्थानों पर हर किसी को टीका लगाया जाना चाहिए। क्लुग ने इस बात का जिक्र किया कि पिछले हफ्ते डब्ल्यूएचओ के यूरोपीय क्षेत्र में कोविड के 1.2 करोड़ नये मामले सामने आए थे, जो महामारी के दौरान किसी सप्ताह का सर्वाधिक आंकड़ा था।

पाकिस्तान में सुरक्षा चौकियों पर हमलाः 13 आतंकवादी ढेर, सात सैनिकों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण–पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में हथियारों से लैस हमलावरों ने सुरक्षा बलों के दो शिविरों पर हमला कर दिया, जिसके बाद भीषण गोलीबारी में कम से कम 13 आतंकवादियों को मार गिराया गया।सेना ने बृहस्पतिवार को बताया कि घटना में सात सैनिकों की भी मौत हुई है। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बुधवार को पंजगुर और नौशकी जिलों में हुए हमले की जिम्मेदारी ली है।उ पंजगुर में, हमलावरों ने दो स्थानों से सुरक्षा बलों के शिविर में प्रवेश करने की कोशिश की, जबकि नौशकी में उन्होंने फ्रंटियर कोर (एफसी) पोस्ट में घुसने का प्रयास किया था।उपाकिस्तानी सेना के एक बयान के अनुसार, दोनों चौकियों पर हमलावरों को ढेर करने के बाद, सुरक्षा बलों ने इलाके में छिपे आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान चलाया। गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने एक वीडियो संदेश में कहा कि नौशकी में नौ आतंकवादी और चार सैनिक मारे गए।

उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ ''बड़ी सफलता'' करार देते हुए कहा, ''पाकिस्तानी सेना ने दोनों जगहों से आतंकियों को खदेड़ दिया। पंजगुर में सेना ने चार से पांच लोगों को घेर लिया है और उन्हें मात दी जाएगी।'' प्रधानमंत्री इमरान खान ने बलूचिस्तान में शिविरों पर आतंकी हमलों को नाकाम करने के लिए बृहस्पतिवार को ट्विटर पर सुरक्षा बलों को बधाई दी। इससे पहले, सेना की मीडिया इकाई इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, ''दोनों हमलों का माकूल जवाब दिया गया..।''

फ्रंटियर कोर के एक प्रवक्ता ने पंजगुर और नौशकी स्थित शिविरों के पास दो विस्फोट होने की पुष्टि की थी, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हुई। बीएलए ने एक बयान जारी कर इन हमलों की जिम्मेदारी ली। अलगाववादी संगठन ने हाल में सुरक्षा बलों और प्रतिष्ठानों पर हमले तेज किए हैं।

एक सप्ताह पहले प्रांत के केच जिले में सुरक्षा बलों की जांच चौकी पर आतंकवादी हमले में दस सैनिकों की मौत हो गई थी।

टीवी की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री बनीं अनुपमा फेम रूपाली गांगुली

एजेंसी

टीवी धारावाहिक अनुपमा जब से शुरू हुआ है, यह टीआरपी की रेस में सबसे ऊपर रहा है। इसे सफल बनाने में अनपुमा बनीं अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने भी एक अहम भूमिका निभाई है। शो में अपने दमदार अभिनय के जरिए उन्होंने दर्शकों के बीच खुद को स्थापित कर दिया है। वह लोकप्रियता के रथ पर सवार हैं। अब खबर है कि रूपाली टीवी की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गई हैं।

एक सूत्र ने बताया, रूपाली ने 1.5 लाख रुपये प्रति दिन की फीस से शुरुआत की थी। अब वह अनुपमा के लिए प्रति दिन 3 लाख रुपये की मोटी रकम ले रही हैं। इसी के साथ वह टीवी इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं। रूपाली ने इस मामले में कई लोकप्रिय युवा नामों को पछाड़ दिया है। उनकी फीस राम कपूर और रोनित बोस रॉय से भी ज्यादा बताई जा रही है।

अनुपमा में रूपाली एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो अपने बच्चों और परिवार के लिए हर हद से गुजरने के लिए तैयार रहती है। उनके अलावा शो में सुधांशु पांडे, मदालसा शर्मा और गौरव खन्ना जैसे कई कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। इसमें रूपाली और गौरव की केमिस्ट्री को खूब पसंद किया जा रहा है। सूत्र के मुताबिक, गौरव रोजाना 1.5 लाख रुपये कमा रहे हैं। इतनी ही रकम सुधांशु को भी मिलती है।

अनुपमा आजकल हर किसी की पहली पसंद बनता जा रहा है। यह लंबे समय से टॉप पर बना हुआ है। रूपाली ने अनुपमा का किरदार ऐसे निभाया है कि फैंस उन्हें अब अनुपमा के नाम से ही जानने लगे हैं। हालांकि, इस भूमिका के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। श्वेता तिवारी, गौरी प्रधान, साक्षी तंवर, मोना सिंह और जूह परमार जैसी अभिनेत्रियों के नाम पर विचार करने के बाद अंत में यह रोल रूपाली की झोली में गिरा था।

रूपाली ने 2001 में धारावाहिक सुकन्या से अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह संजीवनी से लेकर काव्यांजलि और सपना बाबुल का...बिदाई जैसे कई धारावाहिकों में नजर आईं। उन्होंने बिग बॉस 1 में बतौर प्रतियोगी भाग लिया था। अनुपमा से पहले रूपाली को साराभाई वर्सेज साराभाई में लीड रोल में देखा गया था। इस शो में उनके किरदार मोनिशा साराभाई को दर्शकों ने खूब सराहा। हालांकि, अनुपमा उनके लिए मील का पत्थर साबित हुआ है।

रूपाली टीवी से पहले कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने साहेब से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। वह फिल्म अंगारा में मिथुन चक्रवर्ती के साथ दिख चुकी हैं। उस वक्त रूपाली 19 साल की थीं और मिथुन 45 के।

वेब सीरीज रंगबाज में दिखेंगी रनवे 34 की अभिनेत्री आकांक्षा सिंह

एजेंसी

अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ने हिन्दी और तेलुगु सिनेमा में अपने अभियन से दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश की है। वह अजय देवगन की आगामी फिल्म रनवे 34 में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। अब उनके शुभचिंतकों के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि वह एक पॉलिटिकल थ्रिलर वेब सीरीज रंगबाज में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उन्हें मुख्य भूमिका में देखा जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, आकांक्षा आगामी वेब सीरीज रंगबाज में अपने अभिनय का तड़का लगाएंगी। सूत्र की मानें तो आकांक्षा फिलहाल इस सीरीज की शूटिंग लखनऊ में कर रही हैं। इस बार उन्हें बिल्कुल अलग किरदार में देखा जाएगा। इस सीरीज को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्होंने अपने करियर में इस तरह का रोल कभी नहीं किया है। हालांकि, अभी प्रोजेक्ट के अन्य कलाकारों का नाम सामने नहीं आया है।

एक सूत्र ने बताया, सीरीज की कहानी और उसका कैरेक्टर डॉन से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हेना शहाब से प्रेरित है। अभिनेत्री अपनी भूमिका को पर्दे पर निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। वह हिना के बारे में काफी कुछ पढ़ रही हैं और रिसर्च भी कर रही हैं, ताकि उनके किरदार को सलीके से पर्दे पर निभाया जाए। वह हिना के पुराने इंटरव्यू को भी देख रही हैं।

दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन बिहार के कद्दावर और बाहुबली नेता माने जाते थे। हत्या के मामले में वह तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। इसी दरमियान पिछले साल कोरोना संक्रमण के चलते उनकी मौत हो गई। उन्ही की पत्नी हैं हेना शहाब।

इतना ही नहीं, आकांक्षा बहुत जल्द अजय की फिल्म रनवे 34 में नजर आएंगी। इस फिल्म में उन्होंने अजय की पत्नी का किरदार निभाया है। उन्हें अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह जैसे बड़े कलाकारों के साथ इस फिल्म में देखा जाएगा। अजय रनवे 34 में पायलट की भूमिका में दिखने वाले हैं। रकुल प्रीत उनकी को–पायलट की भूमिका में दिखाई देंगी। इस फिल्म का निर्देशन अजय ने ही किया है।

आकांक्षा का जन्म जयपुर में हुआ था। उन्होंने टेलीविजन सीरीज ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 10 से अधिक नाटकों में काम किया है।

उनकी मां भी एक थिएटर आर्टिस्ट हैं। उन्होंने बद्रीनाथ की दुल्हनिया से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में आकांक्षा तेलुगु वेब सीरीज परंपरा में नजर आई हैं। इस सीरीज के जरिए उन्होंने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी है।

अक्षय कुमार ने पूरी की राम सेतु की शूटिंग, दिवाली पर आएगी फिल्म

अक्षय कुमार की फिल्मों का इंतजार दर्शकों को बहुत बेसब्री से रहता है। एक के बाद एक कई फिल्में उनके खाते से जुड़ी हैं। लंबे समय से वह अपनी फिल्म राम सेतु को लेकर चर्चा में हैं। अब अक्षय ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की शूटिंग समाप्त करने की जानकारी दी है। फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अक्षय ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने कहा, आज मेरी फिल्म राम सेतु का आखिरी दिन है। राम सेतु को बनाने में वानर सेना लगी और मेरी फिल्म राम सेतु को बनाने के लिए मेरी सेना ये है। इसके बाद उन्होंने फिल्म की टीम की झलक दिखाई, जिसमें सभी कलाकार मस्ती करते हुए नजर आए। फिल्म की अहम कलाकार जैकलीन फर्नांडिस भी इस मौके पर दिखीं।

अक्षय ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, यहां एक और अद्भुत प्रोजेक्ट राम सेतु की शूटिंग को मैंने पूरा कर लिया। इस फिल्म के निर्माण के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा। यह फिर से स्कूल जाने जैसा अनुभव था। बड़ी मेहनत की है हम सबने, अब बस आपका प्यार चाहिए। शेयर किए गए वीडियो में बताया गया है कि यह फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म की शूटिंग पिछले साल मार्च में शुरू हुई थी। फिल्म में नुसरत भरूचा को भी मुख्य भूमिका में देखा जाएगा। नुसरत पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। अक्षय फिल्म में एक पुरातत्वविद की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म से अक्षय के लुक को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। जैकलीन और नुसरत एक मजबूत और स्वतंत्र महिला की भूमिका में दिखेंगी। फिल्म के 80 फीसदी हिस्सों की शूटिंग मुंबई में पूरी हुई है।

फिल्म का निर्देशन अभिषेक शर्मा ने किया है। उन्होंने इससे पहले परमाणु और तेरे बिन लादेन जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। केप ऑफ गुड फिल्म्स, अबुदंतिया एंटरटेनमेंट, लाइका प्रोडक्शंस और अमेजन प्राइम वीडियो द्वारा फिल्म का निर्माण किया गया है।

अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। वह फिल्म रक्षाबंधन में भी दिखने वाले हैं।

यह फिल्म भाई–बहने के रिश्तों पर आधारित है। फिल्म ओह माय गॉड 2 भी अक्षय के खाते से जुड़ी है। वह बेल बॉटम के निर्माता जैकी भागनानी की दूसरी फिल्म सिंड्रेला का भी हिस्सा हैं। वह जल्द ही प्रियदर्शन की एक फिल्म में भी नजर आ सकते हैं। अक्षय की बच्चन पांडे भी होली के मौके पर दर्शकों के बीच आएगी।

एजेंसी

बड़े पर्दे पर अपनी बोल्डनेस के जलवे बिखेरने वाली अभिनेत्री मल्लिका शेरावत का नाम आज भी बॉलीवुड की सबसे हॉट अभिनेत्रियों में शुमार हैं। मल्लिका ने अपने बोल्ड अवतार की वजह से बेहद ही कम समय में बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। अभिनेत्री इन दिनों सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं और कारण हैं उनकी सेक्सी तस्वीरें जो लोगों काफी पसंद आ रही हैं। अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भले ही बड़े पर्दे से दूर हैं पर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी वीडियो और तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने गोवा के बीच पर धुप का लुफ्त उठाते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। तस्वीरों में अभिनेत्री ने डीप नैक की ब्लू कलर की ड्रेस पहनी हुई हैं।गले में नेकलस, कानों में इयररिंग और आँखों पर सनग्लासेस के साथ मल्लिका ने अपना लुक कम्पलीट किया हैं। इन तस्वीरों में वह बेहद ही हॉट लग रही हैं। फैंस अभिनेत्री के इस बोल्ड अवतार पर फ़िदा हो गए हैं और तस्वीरों पर दिल वाले इमोजी के साथ अपने रिएक्शन कमेंट कर रहे हैं। मल्लिका शेरावत ने साल 2003 में फिल्म ख्वाहिश के साथ अपने फ़िल्मी करियर की शुरुआत की। उन्हें इमरान हाश्मी स्टारर फिल्म मर्डर में अपने बोल्ड अभिनय के लिए जाना जाता हैं। फिल्म में उनकी भूमिका को काफी सराहा गया था। इसके अलावा उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया और खुद को एक बोल्ड अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। अभिनेत्री ने हॉलीवुड की फिल्म हिस्स में भी काम किया जिसमें उन्होंने हद से ज्यादा बोल्ड सीन दिए थे।

अल्लू अर्जुन की अला वैकुंठपुरमलो के हिन्दी संस्करण का ट्रेलर जारी

दक्षिण भारतीय सिनेमा ही नहीं, बल्कि पुष्पारू द राइज की सफलता ने अल्लू अर्जुन को हिन्दी पट्टी में भी लोकप्रिय चेहरा बना दिया है। यह फिल्म 17 दिसंबर को थिएटर में रिलीज हुई थी। हाल में खबर आई थी कि अल्लू की एक और सुपरहिट तेलुगु फिल्म अला वैकुंठपुरमलो का हिन्दी संस्करण टीवी पर आएगा। अब मेकर्स ने इस फिल्म का हिन्दी ट्रेलर रिलीज कर दिया है।

गोल्डमाइन टेलीफिल्म्स ने सोशल मीडिया इस फिल्म का हिन्दी ट्रेलर शेयर किया है। गोल्डमाइन टेलीफिल्म्स ने ट्विटर पोस्ट में लिखा, फिल्म अला वैकुंठपुरमलो का ट्रेलर जारी। अब यह फिल्म इस वैलेंटाइन वीक में 13 फरवरी को आ रही है केवल ढिंचक टीवी पर, जोकि गोल्डमाइन का एक वेंचर है। इससे पहले कहा गया था कि फिल्म 6 फरवरी को ढिंचक टीवी चौनल पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि फिल्म को वैलेंटाइन वीक में अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा।

ट्रेलर में अल्लू का अलग ही स्वैग देखने को मिला है। इसमें वह कहते हुए दिखे कि उनके द्वारा जो भी किया जाता है, वो हिट हो जाता है। आम इंसान की तरह रोजमर्रा की जिंदगी में उन्हें संघर्ष करते हुए दिखाया गया है। फिल्म में उनके अपोजिट भूमिका में पूजा हेगड़े दिखी हैं। स्क्रीन पर दोनों की केमिस्ट्री कमाल की लग रही है। अल्लू पूजा के साथ थिरकते हुए दिखे। अभिनेत्री तब्बू के साथ भी उनकी इमोशनल बॉन्डिंग दिखी। ट्रेलर को इस तरह से काटा गया है कि फिल्म की कहानी के बारे में खास जानकारी नहीं मिलती है। हालांकि इसमें प्यार, इमोशन और एक्शन सबकुछ देखने को मिला। अल्लू और पूजा की जोड़ी ने अपने अभिनय से रिझाने की कोशिश की है। अल्लू की यह फिल्म 2020 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों का इतना प्यार मिला कि रिलीज होते ही यह ब्लॉकबस्टर बन गई। यह 2020 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। वर्तमान में इस फिल्म का प्रसारण स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर नेटफ्लिक्स पर हो रहा है। फिल्म में पूजा के अलावा समुथिरकानी मुख्य भूमिकाओं में हैं। तब्बू, जयराम, सुशांत, निवेथा पेथुराज, नवदीप और राहुल रामकृष्ण भी फिल्म में दिखे हैं।

सूचना

मेरा हाई स्कूल अनुक्रमांक नं 2100 385 वर्ष 2006 वास्तव में कहीं खो गया है।

रघुनाथ पासवान
पुत्र पीताम्बर प्रसाद
ग्राम भरमी पोस्ट बघेली
जिला सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com